दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-137 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 11 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'विश्वास टूटने पर दुख होता है, लेकिन वही टूटन हमें यह सिखाती है कि असली ताकत दूसरों में नहीं, अपने आत्मबल में होती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

एक बार नहीं... हर बार उत्कृष्ट परिणाम की परम्परा...जी-तोड़ मेहनत टॉप रिजल्ट्स, टॉप रैंकिंग जो दिलाती है
एलबीएस स्कूल को औरों से अलग पहचान...

फिर एक बार... अद्भुत. अद्वितीय.. अविस्मरणीय प्रदर्शन !

RBSE CLASS-X 2026

98.00%

प्रियांशी रोहिल्ला
पुत्री श्री घनश्याम रोहिल्ला

97.83% निशा — पुत्री श्री संदीप कुमार
97.33% रोहित जागिड़ — पुत्र श्री संजय कुमार जागिड़
97.00% दिव्या — पुत्री श्री सतीश
96.33% वन्दना — पुत्री श्री जितेन्द्र सिंह
96.17% लक्की — पुत्र श्री संजय कुमार
95.50% दिव्या — पुत्री श्री मुकेश कुमार

95.33% लोकेश — पुत्र श्री अनूप सिंह
94.00% दीपक — पुत्र श्री संजय
94.00% जोगेन्द्र — पुत्र श्री अशोक कुमार
93.17% रक्षा — पुत्री श्री विक्रम सिंह
92.83% नरेश — पुत्र श्री देशराज
92.50% तनिक — पुत्र श्री प्रमेन्द्र कुमार
92.17% रिचा — पुत्री श्री रितुराज

92.17% हिमानी — पुत्री श्री मनोज कुमार
91.17% मुग्धा यादव — पुत्री श्री सतीश कुमार
90.17% विक्रान्त — पुत्र श्री अनिल कुमार
90.00% सारिका — पुत्री श्री हरपाल
90.00% काजल — पुत्री श्री राज कुमार
90.00% विवेक — पुत्र श्री कुलदीप कुमार
90.00% हिमांशु — पुत्र श्री प्रदीप

100% RESULT

21 STUDENTS ABOVE 90%

RBSE CLASS-XII RESULT 2026

97.80% VINAY — S/o Shishram, Village : Ramsar
94.80% DEEPANSHU — S/o Sunil, Village : Gunti
94.60% KHUSHI — D/o Sunil Kumar, Village : Pacheri Bari
94.40% PALAK — D/o Lalaram, Village : Rashoolpur
94.20% SANJANA — D/o Naresh Kumar, Village : Santor
94.00% HAWASINGH — S/o Mamchand, Village : Dhana
92.80% AKSHITA — D/o Kabul Singh, Village : Ramsar
92.60% NACHITA — D/o Naresh, Village : Santore
92.40% ABHISHEK — S/o Manoj, Village : Pacheri Bari

92.40% NEERAJ — D/o Kalu Ram Meena, Village : Pacheri Bari
91.00% HIMANSHU — S/o Shri Baghwan, Village : Gunti
90.60% DIVYANSHU — S/o Arvind Kumar, Village : Sahad Ka Bas
90.60% YACHIKA — D/o Ravinder, Village : Pacheri Bari
90.20% ANJU — D/o Raj Kumar, Village : Pacheri Bari
90.20% VANSHIKA — D/o Rajendra Kumar, Village : Dumoli Khurd
90.00% SONU — S/o Rishikesh, Village : Dumoli
90.00% DIKSHA — D/o Pradeep, Village : Shivsinghpura
90.00% MANISH — S/o Vikram, Village : Rasulpoor
90.00% SONU — D/o Rajkumar, Village : Pacheri Bari

ADMISSION OPEN 2026-27

L.B.S. INTERNATIONAL SR. SEC. SCHOOL

PLAY GROUP to XII SCIENCE & ARTS

Gunti Road, PACHERI BARI

9413562241, 8209000294

'समानता की ज्योतिः महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले का सामाजिक क्रांति का अमर दर्शन '

भीम प्रज्ञा सर्च हिस्ट्री।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले और उनकी सहधर्मिणी सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा, समानता और मानवाधिकारों के माध्यम से भारतीय समाज में ऐतिहासिक बदलाव की नींव रखी।जाति-व्यवस्था, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उनके संघर्ष ने न केवल वंचित वर्गों को नई पहचान दी, बल्कि स्त्री शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक नई दिशा भी प्रदान की। उनका जीवन दर्शन आज भी समता, जागरूकता और परिवर्तन की प्रेरणा देता है। भारतीय समाज के इतिहास में कुछ ऐसे महान व्यक्तित्व हुए हैं, जिन्होंने न केवल अपने समय की जड़ताओं को चुनौती दी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त किया। ऐसे ही युगद्रष्टा थे महात्मा ज्योतिबा फुले, जिन्होंने सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता की अलख जगाई। उनके जीवन की सबसे बड़ी शक्ति और सहयोगी थीं सावित्रीबाई फुले, जिन्होंने स्त्री शिक्षा और मानवाधिकारों के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। इन दोनों महान विभूतियों का जीवन केवल संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का सजीव उदाहरण है।

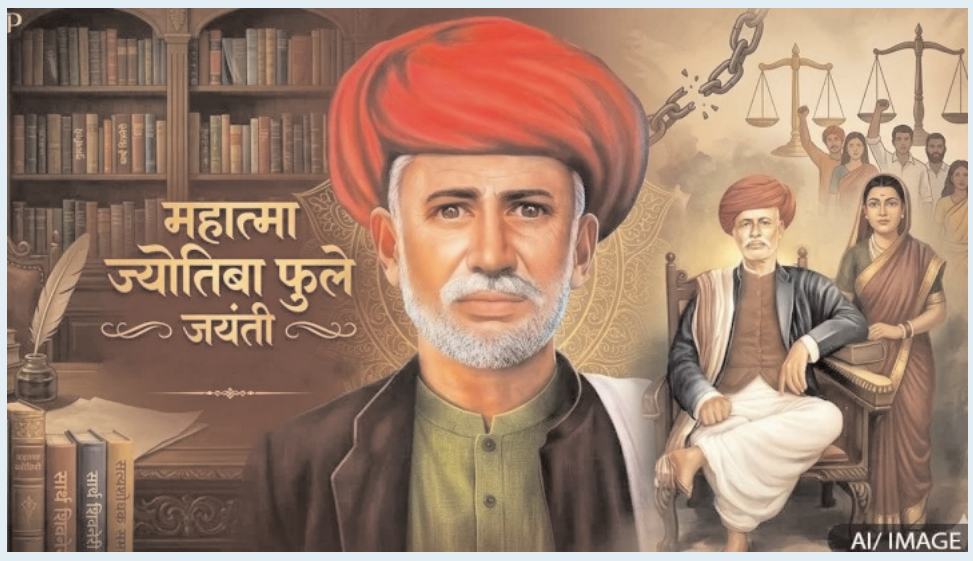

प्रारंभिक जीवन और संघर्ष की नींव

महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे में एक माली (शूद्र) परिवार में हुआ। उस समय भारतीय समाज जाति-पाति, ऊँच-नीच और अंधविश्वासों में जकड़ा हुआ था। शिक्षा पर केवल उच्च वर्ग का अधिकार था और निम्न वर्ग को ज्ञान से वंचित रखा जाता था। स्वयं ज्योतिबा फुले को भी सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा, जिसने उनके मन में परिवर्तन की चिंगारी जलाई। एक रोचक प्रसंग उनके जीवन से जुड़ा है–जब वे एक ब्राह्मण मित्र की शादी में शामिल होने गए, तो वहां उपस्थित लोगों ने उनकी जाति जानकर उन्हें अपमानित कर बाहर निकाल दिया। यह घटना उनके जीवन का निर्णायक मोड़ बनी। उन्होंने संकल्प लिया कि वे इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था को बदलकर रहेंगे।

शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन

ज्योतिबा फुले का मानना था कि शिक्षा ही वह हथियार है, जिससे समाज की जड़ता को तोड़ा जा सकता है। उन्होंने शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक मुक्ति का माध्यम माना। इसी विचार को साकार करते हुए उन्होंने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला–जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। इस कार्य में उनकी सबसे बड़ी सहयोगी बनीं उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले। उन्होंने स्वयं शिक्षित होकर न केवल शिक्षिका की भूमिका निभाई, बल्कि समाज की आलोचना और विरोध का साहसपूर्वक सामना किया। जब वे स्कूल पढ़ाने जाती थीं, तो रास्ते में उन पर पत्थर और गोबर फेंका जाता था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वे अपने साथ एक अतिरिक्त साड़ी लेकर चलती थीं, ताकि स्कूल पहुंचकर साफ कपड़े पहन सकें। यह प्रसंग उनके अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाता है।

स्त्री शिक्षा और नारी सशक्तिकरण की दिशा में योगदान

सावित्रीबाई फुले को भारत की पहली महिला शिक्षिका कहा जाता है। उन्होंने न केवल लड़कियों को शिक्षा दी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने बाल विवाह, सती प्रथा और विधवा उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई। ज्योतिबा और सावित्रीबाई ने मिलकर विधवाओं के लिए आश्रय गृह स्थापित किया, जहां उन्हें सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिला। उन्होंने 'बाल हत्या प्रतिबंधक गृह' की स्थापना की, जहां अवांछित शिशुओं की देखभाल की जाती थी। यह उस समय की एक अत्यंत प्रगतिशील पहल थी, जो समाज में मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास था।

सत्यशोधक समाज की स्थापनाः सामाजिक न्याय की दिशा में क्रांति

1873 में ज्योतिबा फुले ने 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की। इस संगठन का उद्देश्य था–जाति-प्रथा का उन्मूलन, सामाजिक समानता और मानवता का प्रचार। यह समाज बिना किसी ब्राह्मण पुजारी के विवाह और अन्य संस्कारों का आयोजन करता था, जिससे सामाजिक समानता को बढ़ावा मिला। सत्यशोधक समाज ने समाज के वंचित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। यह आंदोलन केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक विचारधारा थी, जिसने भारतीय समाज में नई चेतना का संचार किया।

साहित्य और विचारधारा के माध्यम से जागरूकता

ज्योतिबा फुले ने अपने विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लेखन का सहारा लिया। उनकी प्रमुख कृति 'गुलामगिरी' में उन्होंने जाति-व्यवस्था और सामाजिक शोषण की तीखी आलोचना की। यह पुस्तक समाज में व्याप्त अन्याय के खिलाफ एक सशक्त आवाज बनी। उनकी लेखनी में तर्क, विवेक और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि मनुष्य की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके कर्म और विचारों से होती है।

सावित्रीबाई फुले का अतुलनीय योगदान

सावित्रीबाई फुले केवल एक शिक्षिका ही नहीं, बल्कि एक सशक्त समाज सुधारक भी थीं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कविता और लेखन के माध्यम से भी समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य किया। 1897 में प्लेग महामारी के दौरान, सावित्रीबाई फुले ने रोगियों की सेवा करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा त्याग था, जो मानवता के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाता है।

समाज पर स्थायी प्रभाव और वर्तमान प्रासंगिकता

महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले का योगदान आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उनके समय में था। उन्होंने जिस सामाजिक समानता, शिक्षा और न्याय की बात की थी, वह आज भी हमारे समाज की आवश्यकता है। आज जब हम शिक्षा के अधिकार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की बात करते हैं, तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इन विचारों की नींव बहुत पहले फुले दंपत्ति ने रखी थी। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि परिवर्तन केवल विचारों से नहीं, बल्कि साहस और कर्म से आता है।

संपादकीय

घातक किशोर अपराध

बदलते वक्त के साथ समाज में बढ़ते आक्रामक व्यवहार के चलते अपराधों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन किशोरों की अपराधों में संलिप्तता बढ़ना गंभीर चिंता का विषय है। हाल के दिनों में देश में किशोर अपराधों से जुड़ी अनेक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने देश को गहरी चिंता में डाला है। जो बाल अपराधों के सामाजिक कारणों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल देता है। निस्संदेह, यह विचारणीय प्रश्न है कि छोटे-छोटे विवादों के बीच किशोर हिंसक क्यों हो रहे हैं। जिसकी परिणति अकसर क्रूर हत्या के रूप में सामने आती है। पिछले दिनों दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में सिर्फ चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की निर्मम हत्या डराने वाली है। वहीं किशोरों में कानून का भय न होना गंभीर मसला है। बताया जाता है कि इस युवक की हत्या में तीन नाबालिग संलिप्त थे। इस घटना में तीन किशोर एक युवक पर लगातार चाकू मारते रहे। हिंसक प्रवृत्ति की पराकाष्ठा देखिए कि इनका चौथा साथी बाकायदा मोबाइल पर घटना का वीडियो बनाता रहा। निस्संदेह, यह घटना किसी भी सभ्य समाज में सिहरन पैदा करने वाली है कि किशोर में यह आपराधिक दुस्साहस कहां से आ रहा है। जाहिर बात है कि इन किशोरों में पुलिस-प्रशासन का कोई भय नहीं था, तभी वे सरेआम चाकूबाजी करते रहे। देश की राष्ट्रीय राजधानी जहां के बारे में अकसर कहा जाता है कि पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था बनाने में अग्रणी रहता है, वहां यह घटना सामने आयी। सवाल उठाया जा सकता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में यह स्थिति कितनी गंभीर हो सकती है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि किशोरों की आपराधिक घटनाओं में तेजी से बढ़ती भूमिका की असली वजह क्या है? उल्लेखनीय है कि दयालपुर की घटना से पहले भी कई गंभीर अपराधों में किशोरों की संलिप्तता की घटनाएं गाहे-बगाहे सामने आती रही हैं। लेकिन किशोर अपराध से जुड़े कानून उन्हें जल्दी रिहा करा देते हैं। दरअसल, देश में अकसर किशोरों के गंभीर अपराधों में लिप्त होने के चलते उनकी वयस्क होने की उम्र घटाने की मांग होती है। इसकी वजह यह है कि किशोर गंभीर अपराधों में संलिप्तता के बावजूद किशोर अपराध से जुड़े कानूनों के लचीलेपन के चलते जेल से जल्दी रिहा हो जाते हैं। जेल से बाहर आने के बाद फिर दूसरे गंभीर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है। सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है। जब आत्मा का उद्दीपन होता है, प्रेम जागृत होता है। प्रेम अनंत है, परंतु सुख सीमित है। प्रायः व्यक्ति समझते हैं कि सुख ही प्रेम है। सुख और प्रेम के फर्क को केवल भाग्यशाली ही समझ सकता है।

सत्यशोधक ज्योतिबा फुलेः जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरूआत अपने घर से की। उस क र समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक च ान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के क रपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है।

आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवसः हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनि त करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरूआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्स विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है। इस सफलता के पीछे 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' और 'लक्ष्य' जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषकर लेबर रूम सुविधाओं में सुधार हुआ है। साथ ही, व्यापक टीकाकरण, बेहतर पोषण और प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता ने मातृ स्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक बदलाव लाया है।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2024 की थीम स्वस्थ शुरूआत, आशाजनक भविष्य रखी गई थी, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरूआत से ही मां और शिशु के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनि त करना था। वर्ष 2025 की थीम समान मातृत्व देखभालः हर माँ का अधिकार रही, जबकि वर्ष 2026 की थीम सुरक्षित मातृत्व के लिए नवाचार और सुलभ स्वास्थ्य सेवा निर्धारित की गई है।

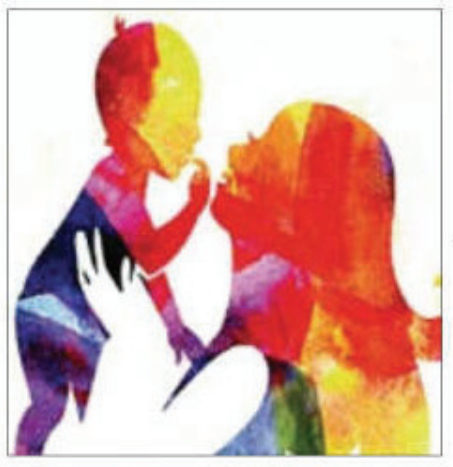

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'विश्वास टूटने पर दुख होता है, लेकिन वही टूटन हमें यह सिखाती है कि असली ताकत दूसरों में नहीं, अपने आत्मबल में होती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-137 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 11 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'विश्वास की दरारों से विजयी व्यक्तित्व तकः जब कश्ती उथले पानी में डूबती है'

'मुझे तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था... मेरी कश्ती तो वहां डूबी, जहां पानी कम था।' यह पंक्ति केवल एक भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन के उस कटु यथार्थ का सशक्त चित्रण है, जहां सबसे बड़ा आघात बाहर से नहीं, भीतर से आता है। हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म दीवार में यह भाव जिस गहराई से उभरता है, वह आज भी हर उस व्यक्ति के जीवन में प्रतिध्वनित होता है, जिसने अपने ही लोगों से ठोकर खाई हो। समाज के वर्तमान परिदृश्य में यह विडंबना और अधिक तीव्र रूप में दिखाई देती है। परिवार, मित्रता, सामाजिक और व्यावसायिक संबंध–इन सभी का आधार विश्वास होता है। किंतु जब यही विश्वास दरकता है, तो व्यक्ति केवल संबंध नहीं खोता, वह अपनी आंतरिक स्थिरता भी खो बैठता है। आश्चर्य इस बात का नहीं कि धोखा मिला, बल्कि इस बात का होता है कि जिन पर आंख मूंदकर भरोसा किया, वही विश्वासघात के कारण बन गए। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर अपने ही लोग क्यों आहत करते हैं? इसका उत्तर मानव मनोविज्ञान में छिपा है। प्रतिस्पर्धा, असुरक्षा, तुलना और अहंकार–ये चार तत्व मिलकर रिश्तों की नींव को कमजोर कर देते हैं। जब किसी एक व्यक्ति की उन्नति दूसरों को अपनी कमी का अहसास कराती है, तब वह प्रेरणा बनने के बजाय ईर्ष्या का कारण बन जाती है। यही ईर्ष्या धीरे-धीरे दूरी, अविश्वास और अंततः विश्वासघात में बदल जाती है।

परंतु जीवन का सार केवल इन विडंबनाओं में उलझना नहीं, बल्कि उनसे ऊपर उठना है। जब कश्ती उथले पानी में डूबती है, तब यह संकेत होता है कि खतरा गहराई में नहीं, सतह के भ्रम में छिपा था। यही वह क्षण होता है, जब व्यक्ति को अपने भीतर झांकने की आवश्यकता होती है। आत्मविश्लेषण इस यात्रा का पहला और सबसे महत्वपूर्ण चरण है। विश्वासघात के बाद भावनाएं उफान पर होती हैं, निर्णय धुंधले हो जाते हैं और सोचने की क्षमता प्रभावित होती है। ऐसे समय में ठहरना, स्वयं से प्रश्न करना और परिस्थितियों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना आवश्यक होता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को टूटने से बचाकर उसे समझदार बनाती है। इसके बाद आता है आत्मनिर्भरता का मार्ग। जब सहारे छूटते हैं, तब व्यक्ति को यह एहसास होता है कि उसकी वास्तविक शक्ति उसके भीतर ही निहित है। दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय जब वह अपने कौशल, परिश्रम और संकल्प पर भरोसा करना सीखता है, तभी उसका व्यक्तित्व निखरता है। यही आत्मनिर्भरता उसे भीड़ से अलग पहचान दिलाती है।

विश्वासघात से उत्पन्न पीड़ा को यदि सही दिशा दी जाए, तो वह ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। यह पीड़ा व्यक्ति को या तो तोड़ देती है या उसे असाधारण बना देती है–निर्णय व्यक्ति के हाथ में होता है। यदि वह इस दर्द को अपनी कमजोरी बनने देता है, तो वह पीछे रह जाता है; लेकिन यदि वह इसे अपने लक्ष्य की आग बना देता है, तो वही व्यक्ति नई ऊंचाइयों को छूता है। एक और महत्वपूर्ण पक्ष है–संबंधों की पुनर्संरचना। हर अनुभव हमें सिखाता है कि कौन हमारे साथ खड़ा है और कौन केवल अवसर का साथी है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने दायरे को सीमित लेकिन सशक्त बनाएं। कम लोग हों, लेकिन सच्चे हों–यही जीवन की वास्तविक पूंजी है। इन सबके बीच सबसे बड़ा सहारा होता है धैर्य और जज्बा। संघर्ष का मार्ग कभी आसान नहीं होता। इसमें असफलताएं, निराशाएं और अकेलापन–सब कुछ शामिल होता है। लेकिन जो व्यक्ति इन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होता, वही अंततः सफलता का स्वाद चखता है। आज जब समाज में संबंधों की परिभाषा बदल रही है, तब यह आवश्यक हो गया है कि व्यक्ति भावनात्मक रूप से मजबूत बने। विश्वासघात को अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत के रूप में देखे। यह वह बिंदु है, जहां से व्यक्ति अपने जीवन को नए दृष्टिकोण से देख सकता है, अपनी प्राथमिकताओं को पुनः निर्धारित कर सकता है और अपने व्यक्तित्व को एक नई दिशा दे सकता है।

अंततः, 'कश्ती का डूबना' एक हार नहीं, बल्कि एक संदेश है–यह समझने का कि हमें अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करनी होगी। दूसरों के भरोसे चलने वाली यात्रा कभी स्थायी नहीं होती। जब व्यक्ति अपने आत्मबल, अपने संकल्प और अपने कर्म पर विश्वास करता है, तब कोई भी विश्वासघात उसे रोक नहीं सकता। इसलिए, जब जीवन में यह एहसास हो कि 'अपनों ने लूटा,' तब इसे अपनी कहानी का अंत न बनने दें। इसे अपनी शक्ति का प्रारंभ बनाएं।

मृतक फायरकर्मियों के परिजनों को मिलेगी सरकारी नौकरीःसीएम सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज

चंडीगढ़। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 35.55 लाख लाभार्थियों को रू1144.55 करोड़ की लाभ राशि वितरित की। दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 9.68 लाख लाभार्थियों को रू203.28 करोड़ वितरित किए गए। वहीं दयालु योजना के तहत 7875 लाभार्थियों को रू298.07 करोड़ की राशि दी गई। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जाति के किसानों के लिए ट्रैक्टर उपलब्धता योजना के तहत 645 किसानों को रू19.35 करोड़ जारी किए गए। सीएम सैनी ने कहा, फरीदाबाद में एचकेआरएन के तहत कार्यरत दो फायरकर्मियों की ड्यूटी के दौरान हुए दुखद हादसे में मृत्यु पर सरकार ने तुरंत राहत के रूप में प्रति परिवार 30 लाख रुपए की राशि जारी करने का निर्णय लिया है। हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के माध्यम से 10 लाख रुपए प्रति परिवार तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपए प्रति परिवार जारी की जा रही है। इसके अतिरिक्त उनके परिवार के किसी एक आश्रित को एचकेआरएन के तहत नौकरी भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त इंश्योरेंस के रूप में भी वित्तीय सहायता पीड़ित परिवारों को दिलवाने के लिए सरकार प्रयासरत है।

हर परिवार को मिलेंगे रू 60 लाख

सीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

सीएम ने कांग्रेस शासन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में पेंशन न बढ़ती थी और भ्रष्टाचार अधिक था। उन्होंने विपक्ष को तथ्यों के साथ अपनी बात रखने की सलाह दी और कहा कि जो काम देशहित में हो रहा है, उसका विरोध नहीं होना चाहिए। राहुल गांधी पर भी टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वे झूठ न बोले।

महिलाओं के लिए रू6500 करोड़ का बजट

सीएम ने घोषणा की कि हर महीने की 10 तारीख को योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर लाडो लक्ष्मी योजना की छठी किस्त जारी की गई। सरकार ने महिलाओं के लिए रू6500 करोड़ का बजट प्रावधान किया है और योजना का दायरा बढ़ाने की तैयारी है। अब रू1.80 लाख वार्षिक आय वाली महिलाओं को भी योजना का लाभ मिलेगा।

अब घर बैठे लाभ मिल रहा- सीएम

सीएम ने पेंशन और पारदर्शिता पर सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब 60 साल की आयु के बाद पेंशन स्वतः लागू हो जाती है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों को कहीं धक्का न खाना पड़े, इसके लिए व्यवस्था की गई है। सरकार द्वारा डायरेक्ट भुगतान (DBT) से पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित हुआ है, जिससे पहले केवल घोषणाएं होती थी, लेकिन अब घर बैठे लाभ मिल रहा है।

किसानों के लिए सरकार की योजनाएं

प्रधानमंत्री द्वारा किसानों को साल में तीन बार किस्त देने की व्यवस्था की गई है, जिसके तहत अब तक किसानों को 22 किस्तें जारी की जा चुकी हैं। हरियाणा के किसानों को रू7500 करोड़ से अधिक की राशि दी जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जाति के किसानों को प्रत्येक ट्रैक्टर पर रू3 लाख की सहायता प्रदान की जा रही है।

फसल नुकसान और गेहूं खरीद पर अपडेट

कुछ जिलों में मौसम की मार से फसल खराब होने की जानकारी मिली है, जिसके चलते हिसार, सिरसा और फतेहाबाद के लिए मुआवजा पोर्टल खोला गया है। कुरुक्षेत्र के लिए भी पोर्टल जल्द ही शुरू किया जा रहा है। अब तक मंडियों में 17.37 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है, जिसमें से 3.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है।

नकली पट्टे से लोन घोटाला: पचेरी खुर्द के पूर्व सरपंच बलवीर सिंह सहित चार के खिलाफ मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

क्षेत्र में फर्जी दस्तावेजों के जरिए पैतृक संपत्ति हड़पने और बैंक से लोन उठाने के मामले में अब पूर्व सरपंच बलवीर सिंह की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। न्यायालय के आदेश पर पचेरीकलां पुलिस ने बलवीर सिंह सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले के अनुसार गाजियाबाद निवासी राजेन्द्र कुमार गोयल ने न्यायालय में परिवाद पेश कर आरोप लगाया कि पचेरी खुर्द स्थित उनकी पैतृक हवेली और नोहरा, जो संयुक्त परिवार की संपत्ति है, को हड़पने के लिए साजिश रची गई। इस संपत्ति में परिवादी और उनके भाइयों का हिस्सा बताया गया है। परिवादी ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में पूर्व सरपंच बलवीर सिंह की मुख्य भूमिका रही। आरोप है कि बलवीर सिंह ने अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए अन्य आरोपियों के साथ मिलकर फर्जी पट्टे तैयार करवाए और उन्हें वैध दर्शाने की कोशिश की। इन कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बैंक से 10 लाख रुपए से अधिक का ऋण उठाया गया तथा पैतृक हवेली को गिरवी रख दिया गया। परिवादी के अनुसार नारायण दास, उसकी पत्नी संध्या अग्रवाल और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी दिनेश कुमार भी इस साजिश में शामिल रहे, लेकिन पूरे मामले की कड़ी पूर्व सरपंच से जुड़ी बताई जा रही है। आरोप है कि सरकारी रिकॉर्ड में भी हेराफेरी कर संपत्ति को कब्जाने की कोशिश की गई।न्यायालय के निर्देश पर पचेरीकलां थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच में सभी पहलुओं को गंभीरता से खंगाला जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और ग्रामीणों के बीच पूर्व सरपंच की भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सिंघाना में छात्राओं ने लहराया सफलता का परचम, 12वीं कला संकाय का शानदार परिणाम

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल सिंघाना में 12वीं कला संकाय का परीक्षा परिणाम इस वर्ष बेहद शानदार रहा। विद्यालय की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया। विद्यालय की छात्रा पलक शर्मा ने 92.40' अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं दीक्षा कुमावत ने 88.80', सुशीला ने 84.20', नेहा ने 82.60' और सूरैया ने 81.60' अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। समस्त विद्यार्थियों का परिणाम सराहनीय रहा। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम में प्रिंसिपल वीरेंद्र कुमार मीणा, वाइस प्रिंसिपल राजबाला, शिक्षिका सुषमा शर्मा, रामावतार, शिव प्रकाश, सुनील, अमलेश, संजू सहित समस्त स्टाफ और गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रिंसिपल वीरेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि

सिंघाना की यह एकमात्र इंग्लिश मीडियम सरकारी स्कूल है, जहां विद्यार्थियों को निशुल्क एवं उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नीमराना में आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा, समन्वय से विकास तेज करने के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। नीमराना पंचायत समिति सभागार में शुक्रवार को आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता नीति आयोग नई दिल्ली के अपर सचिव रोहित कुमार ने की। इस दौरान जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता और अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहें। बैठक में आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के तहत नीति आयोग द्वारा जारी रैंकिंग और विभिन्न संकेतकों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर सचिव ने शाहजहांपुर सीएचसी और सरकारी स्कूल और नीमराना के सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण किया। अपर सचिव ने कहा कि यह भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य विकास के मानकों पर पिछड़े ब्लॉकों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। इसके लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आधारभूत ढांचे से जुड़ी योजनाओं का बेहतर

समन्वय जरूरी है। पोषण संबंधी समीक्षा के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण देकर कार्य में सुधार के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पेयजल, साफ-सफाई और शौचालय व्यवस्था को लेकर भी जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि कई संकेतकों में प्रगति संतोषजनक है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में और सुधार की आवश्यकता है। बैठक में जिला कलेक्टर ने विभागीय पोर्टल से डेटा प्राप्त करने में आ रही समस्याओं से अवगत कराया, जिस पर समाधान के लिए चर्चा की गई। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अन्य मॉडल ब्लॉकों की तर्ज पर बेहतर कार्य करते हुए सभी संकेतकों पर प्रभावी प्रगति सुनिश्चित की जाए। समीक्षा के दौरान संकेतकों पर आधारित प्रगति की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की गई और संबंधित विभागों को लक्ष्यों की पूर्ति के निर्देश दिए गए। बैठक के बाद अपर सचिव ने शाहजहांपुर क्षेत्र में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा सुविधाएं, साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, शिक्षण व्यवस्था, मिड-डे मील, पेयजल और शौचालय की स्थिति का जायजा लिया गया। मरीजों और विद्यार्थियों से संवाद कर फीडबैक भी लिया गया। इस दौरान कोटपूतली बहरोड जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओम प्रकाश सहारण, नीमराना प्रधान संतोष यादव, उपखंड अधिकारी महेंद्र सिंह यादव, मुख्य आयोजना अधिकारी मेघा भट्ट, सांख्यिकी अधिकारी बाबूलाल बैरवा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मीणा, उपनिदेशक जब्बार खान सहित जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर का सिंघाना सीएचसी का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी। सिंघाना स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने सीएचसी प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र सैनी से अस्पताल की कार्यप्रणाली की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने भामाशाह ऑपरेटर को अधिक से अधिक टीआईडी जनरेट करने के लिए भी निर्देशित किया, ताकि मरीजों को योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सके। इसके अलावा सीएमएचओ ने अस्पताल की लैब तथा दवा वितरण केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। निरीक्षण के दौरान सिंघाना बीसीएमओ डॉ. दुलीचंद झाझड़िया भी मौजूद रहे। सीएमएचओ ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों को बेहतर उपचार एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता रहे, किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आरआईसी में 13 अप्रैल को 'मेरा भारत बजट क्वेस्ट': पीएम मोदी का वर्चुअल संवाद, श्रीमाधोपुर की निकिता पारीक का चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीमाधोपुर।

राजस्थान के युवाओं को बजट प्रक्रिया से जोड़ने और नीति निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 13 अप्रैल 2026 को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC) में 'मेरा भारत बजट क्वेस्ट - युवा संवाद' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर के युवाओं को एक मंच पर लाकर राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को सशक्त बनाने का प्रयास किया

जाएगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और युवाओं को प्रेरणादायक संबोधन देंगे। वहीं समापन सत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संवाद रहेगा, जिसमें वे देशभर के 17 विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े युवाओं से सीधे संवाद करेंगे और उनके विचार जानेंगे।

इस आयोजन में जयपुर में 984 प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से भाग लेंगे, जबकि राजस्थान के प्रत्येक जिले से 100-100 युवा वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए श्रीमाधोपुर की प्रतिभाशाली बेटी निकिता पारीक का भी चयन हुआ है, जिससे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। निकिता पारीक ने बताया कि 'माय भारत' पोर्टल के माध्यम से आयोजित यह कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सशक्त मंच है, जहां उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान युवाओं के बौद्धिक विकास के लिए चार प्रमुख विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी, जिनमें विकसित कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था, भारत को वैश्विक उद्यमिता केंद्र बनाने की दिशा, शिक्षा एवं कौशल विकास के माध्यम से मानव पूंजी सशक्तिकरण तथा महिला नेतृत्व और समावेशी विकास जैसे विषय शामिल हैं।यह कार्यक्रम युवाओं को न केवल नीति निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ेगा, बल्कि उन्हें देश के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित भी करेगा।

एसीबी कार्रवाई में फिल्मी ड्रामा: रिश्वतखोर कॉन्स्टेबल जीप लेकर फरार, कर्मचारी को गिराकर किया घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

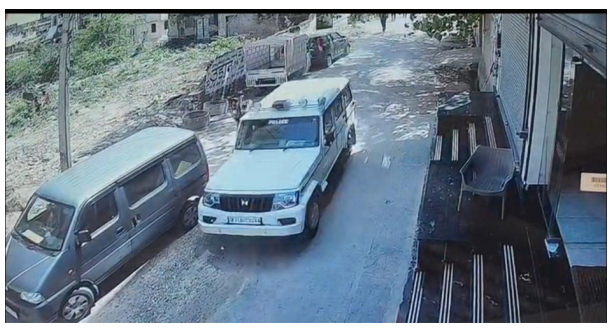

जिले के चिड़ावा में शुक्रवार दोपहर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई के दौरान एक फिल्मी घटनाक्रम सामने आया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। रिश्वत लेते पकड़े जाने वाले कॉन्स्टेबल सरकारी जीप लेकर फरार हो गया और उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे एसीबी कर्मचारी को चलती गाड़ी से गिराकर घायल कर दिया।एसीबी डीएसपी सुरेंद्र पंचौली के अनुसार चिड़ावा थाने में तैनात ड्राइवर कॉन्स्टेबल अनिल कुमार पर लकड़ियों के अवैध परिवहन करने वाले वाहन चालक से बार-बार रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायत मिलने के बाद एसीबी जयपुर टीम ने सत्यापन किया और कार्रवाई की योजना बनाई। शुक्रवार को जैसे ही परिवादी ने कॉन्स्टेबल को रिश्वत की राशि दी, उसे कार्रवाई की भनक लग गई। वह तुरंत थाने की सरकारी जीप लेकर मौके से तेज रफ्तार में फरार हो गया। एसीबी टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रुका। कॉन्स्टेबल को भागता देख एसीबी कर्मचारी लक्ष्मी नारायण ने साहस दिखाते हुए जीप का गेट पकड़ लिया और चलती गाड़ी पर लटक गए। आरोपी ने उन्हें गिराने के लिए जीप को सड़क किनारे खड़ी कार के बेहद पास से निकाला, जिससे वे कार से टकराकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घायल कर्मचारी को तुरंत चिड़ावा के उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया। चिड़ावा थाना अधिकारी कैलाश चंद्र और एसीबी टीम ने आरोपी का पीछा किया। पुलिस ने सरकारी जीप को बरामद कर लिया, लेकिन आरोपी कॉन्स्टेबल फरार हो गया। फिलहाल पुलिस और एसीबी की टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हुई हैं और जगह-जगह दबिश दी जा रही है। मामले की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है।

महवा में अपना घर सेवा समिति' के सातवें उत्सव में नई कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी, दायित्व ग्रहण बना आकर्षण का केंद्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'इबादत वो नहीं जो लफ्जों में अदा हो जाए, इबादत तो वो है जो इंसानियत में नजर आए '–इसी जीवन दर्शन को साकार करती हुई 'अपना घर सेवा समिति' महवा ने अपने सातवें वार्षिकोत्सव एवं दायित्व ग्रहण समारोह को ऐसे जीवंत रूप में आयोजित किया, जिसने सेवा को सिर्फ शब्द नहीं बल्कि समाज के लिए एक सशक्त संकल्प के रूप में स्थापित कर दिया। मंडावर रोड स्थित अवध मैरिज रिजॉर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम में करुणा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की एक अद्वितीय धारा बहती नजर आई। मां माधुरी व्रज सेवा सदन बझेरा, भरतपुर द्वारा संचालित इस संस्था का मूल उद्देश्य उपेक्षित, पीड़ित, शोषित, विक्षिप्त, संक्रमित, परित्यक्त एवं असहाय मानवों की सेवा को ईश्वर सेवा मानते हुए उन्हें सम्मानजनक जीवन देना है। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा, संस्थापक डॉ. बी. एम. भारद्वाज, अध्यक्ष धारासिंह गुर्जर, विनीत बंसल, वीरपाल सिंह, कुसुमलता अग्रवाल, विनोद कुमार सिंघल सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने अपने उद्बोधन में संस्था के कार्यों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि आज के स्वार्थपरक दौर में जहां लोग सीमित दायरे में सिमटते जा रहे हैं, वहां 'अपना घर' जैसी संस्था दूसरों के दर्द को अपना मानकर सेवा का जो उदाहरण प्रस्तुत कर रही है, वह न केवल अनुकरणीय है बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रतीक है। उन्होंने महवा नगरपालिका क्षेत्र में 'अपना घर' भवन निर्माण की घोषणा करते हुए हर माह ?10,000 की आर्थिक सहायता देने का संकल्प भी लिया, जो इस सेवा यात्रा को और गति देगा। संस्थापक डॉ. बी. एम. भारद्वाज ने अपने विचारों में स्पष्ट कहा कि 'अपना घर कोई संस्था नहीं, बल्कि एक विचार है–जहां सेवा उपकार नहीं, बल्कि कर्तव्य है।' उन्होंने कहा कि जब सेवा सच्चे मन और निस्वार्थ भाव से की जाती है, तो संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बनती, क्योंकि ईश्वर स्वयं विभिन्न माध्यमों से आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। उनके इस कथन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। राष्ट्रीय समिति संयोजक कुसुमलता अग्रवाल ने 'अपना घर' को एक वैश्विक मानव सेवा परियोजना बताते हुए कहा कि इसे इस प्रकार विकसित किया गया है कि हर व्यक्ति इसमें सहभागी बन सके और गर्व से स्वयं को इस पुण्य कार्य का हिस्सा मान सके। वहीं राष्ट्रीय संरक्षक परिषद सदस्य वीरपाल सिंह ने संस्था के माध्यम से गौशाला, पशु-पक्षियों और प्रभुजनों की सेवा को एक समग्र मानवता अभियान बताया, जहां प्रतिदिन हजारों लोग आस्था और सेवा के इस केंद्र से जुड़ते हैं। राष्ट्रीय सचिव विनोद कुमार सिंघल ने संस्था की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रतिदिन भगवान के नाम पत्र लिखा जाता है और आश्चर्यजनक रूप से हर जरूरत समय पर पूरी हो जाती है, मानो स्वयं ईश्वर इस सेवा कार्य का संचालन कर रहे हों। यह भावनात्मक और आध्यात्मिक पक्ष संस्था को अन्य संगठनों से अलग पहचान देता है। समारोह के दौरान नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दायित्वों की शपथ दिलाई गई, वहीं विधायक राजेंद्र मीणा को भी संस्था की सदस्यता ग्रहण करवाई गई। मंच संचालन संरक्षक अशोक जैन एवं मीडिया प्रभारी गोपुत्र अवधेश अवस्थी ने किया, जिन्होंने सभी अतिथियों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए सेवा कार्य में निरंतर जुड़े रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हरिसिंह मीणा, मनीराम धाकड़, अशोक भारती, अनीता राजोरिया, सीमा भारती, गणेश गोयल, वेद प्रकाश गोयल, प्रेमचंद गोयल, नेमीचंद गुप्ता, सचिन बृजबल्लभ अग्रवाल, बलवीर सैनी, महेश चंद्र बंसल, ताराचंद गोयल, अखिलेश चौधरी, पदम बंसल, योगेंद्र गोयल, राजकुमार गोयल, श्याम बंसल, महेश माठा, देवेंद्र सैनी, दामोदर साहू, नीरज बंसल, प्रदीप चौधरी, अनीता अवस्थी, अंजू गोयल, रेनू गोयल, अनुराधा गुप्ता, डॉ. जगमोहन गोयल, रामकिशोर ठेकड़ा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं महिला समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

परमहसं स्कूल चिड़ावा में हुआ साइबर क्राइम जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

मंड्रेला रोड़ स्थित परमहसं स्कूल चिड़ावा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झुंझुनू के तत्वाधान में साइबर क्राइम जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संस्था निदेशक विक्रम जागिड़ ने की तथा मुख्य अतिथि चिड़ावा न्यायाधीश मोहनलाल ने बच्चों को देशभर में हो रहे साइबर क्राइम से सम्बधित फ्रॉड जैसे डिजिटल अरेस्ट ओटीपी स्कैम, साइबर बुलिंग, स्टोकिंग, ब्लेकमेलिंग आदि से बचने के उपाय बताये और अपने सोशल मीडिया अकाउंट को गोपनीय रखने की सलाह दी। विशिष्ट सन्दीप कुमार साइबर क्राइम सम्बधित आनलाइन धोखाधड़ी, सोशल मीडिया स्कैम और वित्तीय अपराधों के प्रति जागरूक किया तथा साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग, व राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत करवाया। इस अवसर सचिव मुकेश जांगीड़ सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

डॉ. मेघ सिंह दूलड़ की पुण्य स्मृति में विद्यालय को वाटर कूलर भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । क्षेत्र के वाहिदपुरा गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाहिदपुरा में शुक्रवार को एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय डॉ. मेघ सिंह दूलड़ की पुण्य स्मृति में उनके परिवार द्वारा विद्यालय को वाटर कूलर भेंट किया गया। इस अवसर पर कमला दूलड़ ने परिवारजनों के साथ वाटर कूलर का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, मंडावा पवन कुमार, गांव के प्रबुद्धजन एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहें। डॉ. मेघ सिंह दूलड़ के सुपुत्र अजय दूलड़ एवं अरुण दूलड़, पुत्र वधू उर्मिला, सुनीता, पौत्र डॉक्टर कुणाल दूलड़ , पौत्र वधू कैप्टन डॉ. साविका भी इस अवसर पर मौजूद रहे। गांव से हरि सिंह दूलड़ व दलीप सिंह शेखावत उपस्थित रहें। कार्यक्रम में वक्ताओं ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में प्रेरणा प्रदान करते हैं। विद्यालय परिवार ने दूलड़ परिवार का आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य सुमन कुमारी ने बताया कि प्राथमिक कक्षाओं के लिए फर्नीचर की घोषणा भी दूलड़ परिवार द्वारा की गई है।पीईईओ सुमन कुमारी ने दूलड़ परिवार का आभार प्रकट किया। समस्त विद्यालय स्टाफ उप प्रधानाचार्य नीलम कुमारी , व्याख्याता अभिलाषा ,पंकज कुमार, सरोज,राजवीर मील, सुनील बसेरा, सुरेंद्रसिंह, कमला, अमरावती, कमला खीचड़, राजकुमार ,नीलम बेनीवाल, नीरज लता, इंदिरा महलावत, वर्षा जगिड़, प्रमोद कुमार, राजेश कमार, नरेंद्र कुमार,परमेश्वरी, रामदेव मीणा उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन नरेश कुमार ने किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ में आज मनाएंगे फुले जयंती

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

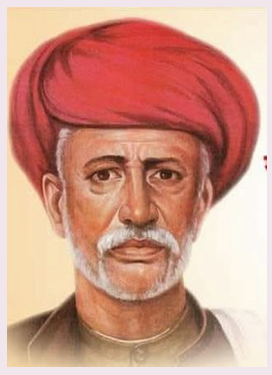

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ में शनिवार 11 अप्रैल को शाम 4 बजे शैक्षिक व सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती मनाई जाएगी तथा इसी दिन छात्रावास में शनिवार को होने वाले साप्ताहिक सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ व श्रीराम स्तुति का सामूहिक वाचन शाम 5.15 बजे से आयोजित होगा। यह जानकारी देते छात्रावास के महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने बताया कि इस अवसर पर छात्रावास के पदाधिकारी सदस्य विधार्थी, फुले अनुयाई मौजूद रहेंगे।

रेवाड़ी में 12 अप्रैल को अंबेडकर-फुले जयंती पर भव्य समारोह, समाज में जागरूकता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं ज्योतिबा फुले जयंती के उपलक्ष्य में 12 अप्रैल 2026 को रेवाड़ी में एक भव्य एवं गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम मॉडल टाउन स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी में प्रातः 10:15 बजे आयोजित होगा। इस संबंध में 5 अप्रैल को सेवा स्तम्भ, जिला इकाई रेवाड़ी के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रधान भगत सिंह बौद्ध ने की। बैठक में सर्वसम्मति से समारोह के आयोजन का निर्णय लिया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा स्तम्भ के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष भगत सिंह बौद्ध करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में एचसीएस अधिकारी एवं एसडीएम फिरोजपुर झिरका लक्ष्मीनारायण उपस्थित रहेंगे।समारोह में कई विशिष्ट अतिथि भी शामिल होंगे, जिनमें राम अवतार सिंह यादव 'एकलव्य', दलीप सिंह कटारिया, अमित यादव, शशि भूषण सैनी तथा निहारिका प्रवीण चौधरी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। वहीं विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में संकल्प भूमि ट्रस्ट, बड़ोदा (गुजरात) के महासचिव (प्रचार) टी.आर. भास्कर भी कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट राजकुमार 'जलवा' और राजपाल सिंह दहिया द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। आयोजन के संयोजन की जिम्मेदारी भगत सिंह बौद्ध, रामनिवास गोठवाल एवं होशियार सिंह अहरोदिया निभाएंगे। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य डॉ. भीमराव अंबेडकर और ज्योतिबा फुले के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना तथा समाज में समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। सेवा स्तम्भ संगठन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचकर इसे सफल बनाएं। बैठक के दौरान महासचिव आचार्य कांशी राम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजपाल सिंह दहिया, कोषाध्यक्ष रामनिवास गोठवाल, विधि सलाहकार एडवोकेट राजकुमार जलवा, ऑडिटर सतबीर गोठवाल, लक्ष्मीबाई लिसाना सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिंघाना: अन्नू कुरैशी इण्टरप्राईजेज टूर एंड ट्रेवल्स का शुभारंभ, डीपी सैनी ने किया उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

नगरपालिका सिंघाना के बुहाना रोड स्थित बागड़ी मोटर्स के पास 'अन्नू कुरैशी इण्टरप्राईजेज' टूर एंड ट्रेवल्स कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा सामाजिक कार्यकर्ता एवं सहयोग एक पहल संस्थान के अध्यक्ष डीपी सैनी ने शिरकत की और फीता काटकर कार्यालय का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुलीचन्द बागड़ी ने की। उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि डीपी सैनी ने कहा कि क्षेत्र में व्यवसायिक गतिविधियों के बढ़ने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं और आमजन को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होती हैं। संस्थान के संचालक इरफ़ान खान ने बताया कि यहां कार बाजार के साथ-साथ 24 घंटे टूर एंड ट्रेवल्स और सेल्फ ड्राइव गाड़ियों की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम के दौरान आकाश जांगिड़, विजय चंदेल, रितिक, महेंद्र मीणा, नासिर कुरैशी, हंसराज सैनी, गुर्जर चीकू यादव, भोला गुर्जर, अभय, प्रदीप बागड़ी, प्रदीप सैनी, मुख्तियार कुरैशी, जमील कुरैशी, सोमवीर सिंह, जितेंद्र कुमार, सोहेल खान,सूबेसिंह, रामुतार जांगिड़, बृजेश जंगिड, गजेंद्र जाट, सुशिया गुर्जर, रघुवीर सिंह, राजू गराटी, सुनील ईमित्र, विशाल भोदन, अभिषेक, आकाश सैनी, हिमांशु और राहुल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सफाई सिर्फ अभियान नहीं, आदत बने और मानसिकता बदलाव पर हो फोकस- के के गुप्ता

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के राज्य ब्रांड एम्बेसडर श्री के के गुप्ता ने ली बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के राज्य ब्रांड एम्बेसडर के. के. गुप्ता शुक्रवार को करौली जिले के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सभी नगर निकायों एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों के साथ जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली।बैठक में गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छता अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें आमजन, स्थानीय निकाय, स्वयंसेवी संगठन मिलकर स्वच्छता का कार्य कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति न केवल जागरूकता बढ़ी है बल्कि जीवन स्तर में सुधार देखने को मिला है। उन्होने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में स्वच्छता के सम्बन्ध में पूर्ण गंभीरता से कार्य करते हुए प्रदेश को अग्रिम पंक्ति में लाने का प्रयास कर रहे हैं और इसके सम्बन्ध में नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से न केवल व्यक्ति स्वस्थ रहता है बल्कि उसकी उम्र भी बढती है। किसी भी क्षेत्र के विकसित और समृद्ध होने के साथ साथ स्वच्छ होना भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सफाई सिर्फ अभियान नहीं, आदत बने मानसिकता बदलाव पर फोकस होना चाहिए। गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन शहर और ग्रामीण में राजस्थान प्रदेश को उत्कृष्ट स्थान पर देखने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि स्वच्छता के कार्यों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी जीरो टॉलरेंस नीति के साथ त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं निगरानी रखी जा रही है वहीं विभाग के उच्च स्तर तक भी मॉनिटरिंग रखते हुए प्रत्येक छोटे-बड़े निकाय के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़े हुए हैं, इनके द्वारा प्रतिदिन कार्यों की समीक्षा की जा रही है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के यह भी सख्त आदेश है कि प्रदेश के सभी धार्मिक और पर्यटन स्थल भी स्वच्छ और सुंदर रहने चाहिए। यहां किसी भी प्रकार की गंदगी और अव्यवस्थाएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी। करौली जिले में कैला देवी मंदिर है, जो देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ है। यह मंदिर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन केंद्र में भी सम्मिलित है। यहां स्वच्छता होनी चाहिए तथा मंदिर तक पहुंचाने का स्थान सड़क आदि सुव्यवस्थित होनी चाहिए जिसको लेकर जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पंचायत समिति के विकास अधिकारी को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में उपस्थित जिला कलेक्टर महोदय अक्षय गोदारा ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन शहर 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए धरातल पर ठोस प्रयास किए जाने की आवश्यकता है वहीं, ब्रांड एंबेसडर गुप्ता साहब के दिए गए निर्देशों की शत प्रतिशत पालना की जाएगी।

श्रेणियों के आधार पर होगा स्वच्छता कार्यों पर्यवेक्षण

उन्होंने कहा कि सभी निकायों को स्वच्छता पर चल रहे कार्यो के आधार पर चार भागो में बाँटा गया है। ए श्रेणी के निकायो में अभी स्वच्छता के प्रति श्रेष्ठ कार्य चल रहा है। बी श्रेणी के निकायो में स्वच्छता के प्रति संतोषजनक कार्य किये जा रहे है। सी श्रेणी के निकायो में स्वच्छता के कार्यो के प्रति गंभीरता नहीं है सुधार के लिए चेतावनी दी जानी आवश्यक है। डी श्रेणी के निकायों में सख्त कारवाई की आवश्यकता है। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर हेमराज परिडवाल, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी लखन सिंह, उपखंड अधिकारी करौली और नगर परिषद आयुक्त प्रेम राज मीणा, नगर पालिका टोडाभीम अधिशासी अधिकारी हनुमान शर्मा, नगर पालिका सुरौठ अधिशासी अधिकारी रीना खंडेलवाल, नगर पालिका मंडरायल अधिशासी अधिकारी प्रशांत मीणा सहित विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीमार गौवंश के लिए टीन शेड का किया अधिशासी अधिकारी ने शिलान्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मुकुंदगढ़ रोड स्तिथ टीकमदास आश्रम में संचालित निराश्रित गौ सेवा समिति में बीमार गौवंश के बनने वाले टीन शेड का शिलान्यास नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत ने किया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। जिसमे देवताओं का आव्हान कर के उनकी पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात शेखावत ने पूजित ईंटो को स्थापित किया। यह टीन शेड बीमार,दुर्घटना ग्रस्त गौवंश की सेवा के लिए तैयार करवाया जा रहा है। जिसमे उनका इलाज होगा। इस अवसर पर नगरपालिका के आंनद सोलंकी ,सत्य नारायण बवालिया, वीरेन्द्र गुर्जर, नरेन्द्र सिंह, सुरजीत, मेट सुरेंद्र पीपलवा, संजय परिहार, अरविन्द,प्रकाश स्वामी, गोवर्धन ,करण शर्मा, विक्रम, गजेंद्र, वंश, मोनिका सहित काफी लोग मौजूद रहें। वहीं अध्यक्ष किशोर चौहान ने आभार व्यक्त किया

शिक्षा निदेशालय बीकानेर के जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह मीणा ने लक्षमणगढ़ के विद्यालयों का किया अवलोकन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शिक्षा निदेशालय बीकानेर से नियुक्त सीकर जिले के प्रवेशोत्सव प्रभारी अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह मीणा ने पीईईओ अलखपुरा गोदरान में प्रवेशोत्सव अभियान की प्रगति का जायजा लिया । पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अशोक कुमार राव व उप प्रधानाचार्य भँवर सिंह ने प्रवेशोत्सव अभियान के दौरान आयोजित गतिविधियों से अवगत करवाया। उन्होंने प्रवेशोत्सव के दौरान फील्ड में कार्यरत्त सर्वे टीम के सत्यापन के दौरान अभिभावक नागरमल के घर पर जाकर वहां पर सर्वे टीम की जांच की और विद्यालय के सत्र 2025-26 में कक्षा 12 में सर्वाधिक अंक 93.80 प्रतिशत प्राप्त करने वाले विक्रम माहिच व सरोज जिसने इतिहास और हिंदी साहित्य में 100 में से 92. 20 प्रतिशत को सम्मानित किया तथा कक्षा 10 के कृष्ण कुमार को भी 89.50 प्रतिशत प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई दी।उन्होंने विद्यालय व्यवस्था अवलोकन के समय विद्यार्थियों से चर्चा कर उनके गृह कार्य जांच कर पढ़ाई के स्तर को परखा और पढ़ाई की व्यवस्थाओं को देखकर विद्यालय के संस्था प्रधान की प्रशंसा करते हुए विद्यालय परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में उन्होंने सारे विद्यार्थियों को प्राप्त स्थल पर इकट्ठा कर संबोधन के दौरान बच्चों से प्रश्नोत्तरी कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया। मीटिंग लेकर स्टाफ को प्रवेशोत्सव के समय अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ने के बारे में उद्बोधन दिया। इस दौरान सीबीईओ विद्याधर शर्मा व संदर्भ व्यक्ति सुरेश कुमार भास्कर ने भी प्रवेशोत्सव अभियान की मोनेटरिंग एवं सुपरविजन करते हुए ब्लॉक के विभिन्न विधालयों का निरीक्षण एवं अवलोकन कर शाला प्रवेश योग्य बच्चों के अभिभावकों एवं ग्रामीणजनों को शिक्षा विभाग की योजनाओं की जानकारी देकर काउंसलिंग कर सरकारी विधालयों में प्रवेश दिलाने के लिए प्रेरित किया।

बगड़ कस्बे में अम्बेडकर जयंती को लेकर पोस्टर विमोचन, विशाल भव्य रैली व कार्यक्रम की तैयारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.बगड़।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में बगड़ कस्बे में आयोजित होने वाली विशाल भव्य रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा अध्यक्षता में बुद्ध विहार जय पहाड़ी में भंते विनयपाल के सानिध्य में पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा बताया है कि 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती के अवसर पर बगड़ में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर साहब व महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर विशाल भव्य रैली निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग भाग लेंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बाबा साहेब, महात्मा ज्योतिबा फुले, भगत सिंह, परियार, के विचारों और उनके संघर्षमय जीवन को प्रस्तुत किया जाएगा। भंते विनयपाल ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में समानता, शिक्षा और भाईचारा स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने सभी से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की। इस अवसर पर भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सतवीर बरवड़,बुद्ध विहार ट्रस्टी मैनेजर दुर्गा प्रसाद बोयल, रोहिताश बोयल, होशियार, सुमित, अंकिता, सुनीता, राजबाला, पूनम, विमला, निकिता, इशिका, नव्या, युवांशी आदि कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

दादू खोल भैराणा धाम को बचाने को लेकर उदयपुरवाटी में सभा, 15 अप्रैल को जयपुर कूच का ऐलान

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शहर के जमात स्थित दादू बालाजी मंदिर में शुक्रवार को दादूपंथी समाज द्वारा एक महत्वपूर्ण सभा आयोजित की गई। सभा में दादू संप्रदाय के विश्वविख्यात दादू खोल भैराणा मोक्ष धाम पर राज्य सरकार द्वारा रीको औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाने के विरोध में आवाज बुलंद की गई। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं आदिवासी नेता सुरेश मीणा किशोरपुरा ने कहा कि भैराणा धाम दादू संप्रदाय का हरिद्वार माना जाता है। यह केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि दादू दयाल की तपोभूमि और मोक्ष स्थली है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस पवित्र भूमि को उजाड़ने का कार्य कर रही है, जिसका समाज पुरजोर विरोध करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 14 अप्रैल तक सरकार ने धाम को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए, तो 15 अप्रैल को जयपुर कूच किया जाएगा, जिसमें देशभर से संत-महात्मा और श्रद्धालु शामिल होंगे। वक्ताओं ने बताया कि 5 अप्रैल को भी 'भैराणा बचाओ, रीको भगाओ' अभियान के तहत हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। सभा में दादू पंथी समाज के कई वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए धाम की रक्षा के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया।गौरतलब है कि उदयपुरवाटी दादू संप्रदाय की प्रमुख जमातों में से एक रही है और यहां की नागा दादू पंथी फौज की बहादुरी के किस्से प्रसिद्ध हैं। क्षेत्र में शेसराम बाबा, मंसाराम, हरजी-मरजी, सुंदर दास सहित कई सिद्ध संतों की परंपरा रही है। सभा के बाद दादू संप्रदाय के लोगों ने सुरेश मीणा किशोरपुरा और ऊंकार दास महाराज के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पांचों अखाड़ों के पंच-भंडारी सहित जगदीश दास स्वामी, लक्ष्मण सिंह गुड़ा, महेंद्र दास स्वामी, किशोर दास राठौड़, शिवपाल दास स्वामी, मनोज दास स्वामी, दीपक दास स्वामी, ललित दास स्वामी, कैलाश दास स्वामी, रंजीत दास स्वामी, रामदास स्वामी, अरविंद दास स्वामी, सुल्तान दास स्वामी, मुकेश दास स्वामी, एडवोकेट श्रवण सैनी, राधेश्याम सैनी, मोहित, बनवारी लाल सहित दर्जनों लोग मौजूद रहें।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से गांवों में बदल रही तस्वीर- सांसद सुभाष बराला

टोहाना क्षेत्र में सांसद सुभाष बराला ने विकास कार्यों का किया लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/ जाखल।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शुक्रवार को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में विकास कार्यों का उद्घाटन कर ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान की। इस दौरान उन्होंने गांव ढाणी डूलट में शहीद कृष्ण कुमार सेवदा पुस्तकालय तथा गांव मार्थला में सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित पुल का लोकार्पण किया। सांसद ने गांव सिधानी में नवनिर्मित आंगनवाड़ी केंद्र का भी लोकार्पण किया। सांसद का गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब अंतिम पंक्ति तक पहुंच रहा है, जिससे गांवों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने शहीद कृष्ण कुमार सेवदा के नाम पर बने पुस्तकालय को युवाओं के लिए प्रेरणास्थल बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलेगी और वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकेंगे। साथ ही उन्होंने मेरिट के आधार पर युवाओं को मिल रही नौकरियों का जिक्र करते हुए पारदर्शी भर्ती प्रणाली को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। सांसद ने किसानों और ग्रामीणों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य हर वर्ग का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहें।

साइबर जागरूकता अभियान : जाखल में बच्चों को साइबर सुरक्षा व नशा मुक्ति का दिया संदेश

थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद की पहल, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद की टीम ने गाँव जाखल मंडी में स्कूली बच्चों के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे और उनसे बचाव के प्रभावी तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया का सही और सुरक्षित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अनजान कॉल, फर्जी लिंक, ऑनलाइन गेमिंग के दौरान होने वाली ठगी, ओटीपी शेयर करना और अज्ञात व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क करना साइबर अपराधों के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बच्चों को सतर्क रहते हुए अपनी व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर देने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में नशा मुक्ति को लेकर भी जागरूकता फैलाई गई। बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए उन्हें स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित कर उनके सवालों के जवाब दिए और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ भी उपस्थित रहा और उन्होंने पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस जागरूकता अभियान की सराहना की। जिला पुलिस ने आमजन, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे साइबर अपराधों से सतर्क रहें और किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित माध्यमों से दें। साथ ही ऐसे जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि समाज को सुरक्षित और जागरूक बनाया जा सके।

पक्षियों के लिए बांधे परिंडे, रखे चुग्गा पात्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । गर्मी के इस दौर में में पक्षी प्रेमियों ने पक्षियों के लिए सहयोग करते हुए उनके लिए चुग्गा पात्र ओर परिंडे लगाकर पुण्य कार्य को शुरू किया। इस क्रम में निकटवर्ती गांव बाजीसर के मुख्य चौक में आज पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर उनके लिए चुग्गा पात्र भी रखे। इस दौरान समाजसेवी अमित मीणा,मेहरादासी पूर्व सरपंच सज्जन पूनिया, हरफूल महला, बीरबल बुडानिया, हीरालाल बुडानिया,रामकरण ढूकिया, रामनिवास कुल्हरी, रामजीलाल जांगिड़, जगपाल बुडानिया, रोहित नायक, विक्रम नायक, प्रियांशु बुडानिया,अभिनव निर्मल सहित अनेक ग्रामीण लोग मौजूद रहे। समाजसेवी अमित मीणा ने बताया कि बेजुबान पक्षियों के लिए हर घर हर गांव में परिंडे लगाना चाहिए यह पुण्य का कार्य हैं।

एसडीएम आकाश शर्मा ने खरीद केंद्रों का दौरा कर गेहूं खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने खरीद केंद्र धारसूल सहित टोहाना क्षेत्र की विभिन्न अनाज मंडियों और खरीद केंद्रों का दौरा कर गेहूं की खरीद प्रक्रिया का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों की सुविधा और सहायता प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता रहनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने खरीद केंद्रों में चल रही खरीद प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और गेहूं खरीद निर्धारित मानकों के अनुसार समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम आकाश शर्मा ने मौके पर ही 'मॉइस्चर मीटर' (नमी मापक यंत्र) से फसल की नमी जांची और अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानक के अनुरूप ही फसल की आवक सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने मंडी के प्रवेश द्वारों पर गेट पास और बायोमेट्रिक प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इस तकनीक सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए ताकि किसानों को किसी भी तरह की असुविधा ना हो। खरीद केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए एसडीएम ने साफ-सफाई, पेयजल एवं शौचालयों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि किसानों एवं श्रमिकों के लिए स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित किया जाए तथा सभी आवश्यक सुविधाओं का नियमित रखरखाव किया जाए। एसडीएम ने अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं किसान हितैषी बनाने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो सके और मंडियों में कार्य सुचारू रूप से चलता रहे। इस दौरान सीईओ जिला परिषद सुरेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहें।

टाईं में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । जिले के पीएम श्री शहीद मेजर रणवीर सिंह बाबा श्री केशर नाथ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, टाईं में ग्राम पंचायत के सहयोग से राज्य सरकार के निर्देशानुसार भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि मंडावा की एसडीएम मुनेश कुमारी रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में बिसाऊ तहसील के तहसीलदार शेर सिंह राठौड़, ग्राम पंचायत टाईं की सरपंच/प्रशासक समीरा बानो उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईं मठ के महंत सोमनाथ महाराज ने की।इस कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी हाजी इकबाल खान दोलतखानी के सहयोग से किया गया । इस अवसर पर टाईं, पाटोदा, भिखनसर और बिरमी बिसाऊ सहित आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 12 के 25 तथा कक्षा 10 के 30 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस विद्यालय की12वीं की छात्रा रुचिका जांगिड़ ने 96'अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिसिंह कुल्हरी ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों व अभिभावकों को देते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया ।

लक्ष्मणगढ़ में 13 अप्रैल को फुले अवार्ड समारोह, 4 विभूतियां व एक दर्जन से अधिक युवा होंगे सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

आयकर विभाग के एडिशनल कमिश्नर अरविंद कुमार गहलोत के आतिथ्य में 13 अप्रैल सोमवार को शाम 4:15 बजे सैनी भवन के पास आनंद विला में समाजसेवी स्व. आनंद कुमार बागड़ी की 12वीं पुण्यतिथि पर सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में शेखावाटी अंचल की चार विभूतियों को शेखावाटी स्तरीय महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा, वहीं लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सरकारी सेवा में चयनित एक दर्जन से अधिक युवाओं का भी सम्मान होगा। संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट के चेयरमैन महेश बागड़ी ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए रामकृष्ण शर्मा (मरणोपरांत), कुमार लखोटिया, जगदीश प्रसाद तंवर और बनवारी लाल इंदौरिया को स्व. बागड़ी स्मृति शेखावाटी स्तरीय महात्मा ज्योतिबा फुले अवार्ड 2026 प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ के विद्यार्थी राहुल बागड़ी (रेलवे), आशीष टांक (बैंक), विश्वनाथन पापटाण (बैंक), रोहित कारोडिया (सब इंस्पेक्टर, सीआरपीएफ), पीयूष टांक (भारतीय वायुसेना), विवेक भैरिया (बैंक), मोनिका सैनी (बैंक), कैलाश गौड़ (लोको पायलट), प्रहलाद कम्मा (पटवारी), मुकेश खडोलिया (सर्वेयर), युवराज राकसिया (सेना), पूजा राकसिया (बैंक) तथा रविना सिंगोदिया (बैंक) को सरकारी सेवा में चयनित होने पर सम्मानित किया जाएगा।ट्रस्ट की ओर से कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति की उम्मीद जताई जा रही है।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने जाखल मंडी में गेहूं खरीद व्यवस्था की समीक्षा की

खरीद प्रक्रिया पारदर्शी व समयबद्ध रखने के निर्देश, मंडी का दौरा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भीम प्रज्ञा न्यूज.जाखल।

रजत विजय रंगा । राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शुक्रवार को जाखल मंडी मार्केट कमेटी में अधिकारियों के साथ बैठक कर गेहूं खरीद व्यवस्था की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने खरीद से जुड़ी व्यवस्थाओं, किसानों को मिलने वाली सुविधाओं तथा उठान प्रक्रिया की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली। बैठक के उपरांत सांसद सुभाष बराला ने मंडी परिसर का दौरा कर मौके पर चल रही खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने चांदपुरा और धारसुल अनाज मंडी का भी निरीक्षण कर गेहूं खरीद का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सांसद बराला ने किसानो से सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याएं, सुझाव एवं अनुभव सुने। किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया, जिस पर सांसद ने अधिकारियों को तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जाएं। सांसद ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गेहूं खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुचारू और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि खरीद के साथ-साथ फसल के उठान की प्रक्रिया भी तेज की जाए, ताकि मंडियों में अनावश्यक भीड़भाड़ न हो और किसानों को इंतजार न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने पर भी जोर दिया। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और उनका प्रयास है कि हर किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य समय पर मिले। उन्होंने कहा कि किसान खुशहाल होंगे तो देश और प्रदेश दोनों समृद्ध होंगे, इसलिए किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन जगजीत सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष विकास कामरा सहित मंडी के व्यापारी बंधु, आढ़ती एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

जोती राव को 'महात्मा 'की उपाधि

भीम प्रज्ञा विशेष दिवस@उदयपुरवाटी।

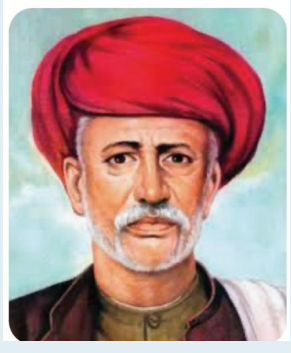

(लेखक-मंगल चन्द सैनी पूर्व तहसीलदार) 11 मई 1888 मुम्बई का मांडवी कोलीवाड़ा आज इतिहास लिखने जा रहा है ।महाराष्ट्र भर के कार्यकर्ता और मुंबई के महानुभावों का आगमन शुरू हो गया है। शिक्षित धनवान साफा पहने हुए लोग तो थे ही पुरानी मटमैली टोपियाँ और फटे पुराने कपड़े पहने हुए लोग व ग़रीबी की मार से तंग पेट भरने के लिए जद्दो जहद करने वाले हर तरह के लोगों का सभास्थल पर जमावड़ा शुरू हो गया है ।सभास्थल भरने के बाद बाहर भी जहाँ जगह मिली लोग इस नजारे को देखने व अपने जोती राव की एक झलक पाने को बेताब हैं ।बड़ौदा के महाराज श्री सयाजी राव किसी कारणवश नहीं पहुंच पाए किंतु संदेश भेजा है कि जोती राव को अभिनंदन समारोह में भारत के 'बुकर टी वॉशिंगटन 'की उपाधि से विभूषित किया जाये। इसी बीच जोती राव पधारे उनके आगमन की सूचना पर ही पीड़ित कृतज्ञता से देखने लगे कुछ की आँखो से अश्रु धारा बह निकली ।वक्ता उनके असाधारण धैर्य त्याग निष्ठा समानता का गुणगान कर रहे हैं कुछ ने कहा कि निरंतर चालीस वर्ष तक निस्वार्थ भाव से जनसेवा करने वाले जोती राव महाराष्ट्र के आदिपुरुष हैं। राव बहादुर विट्ठल राव ने उनके गले में पुष्प माला पहना कर कहा कि जोती राव की उग्र तपस्या के कारण महाराष्ट्र के दलितों और महिलाओं के उत्थान के लिये आजीवन संघर्ष के कारण वे सच्चे अर्थों में 'महात्मा 'हैं। पूरा सभास्थल ज्योतिराव के जय जय कारों से गुंजायमान हो गया श्री वंडेकर ने उन्हें पुष्पहार पहनाया और कहा कि हम उपस्थित सभी जन जोतिराव को महात्मा की उपाधि प्रदान करते हैं।तालियों व जय जय कार के अलावा कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा है।

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके के लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं।

सीएसके के लिए इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम अपने शुरुआती मैच में आरसीबी और पंजाब किंग्स से हारी है। टीम की बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कमजोर रही है। वहीं कैपिटल्स ने सत्र की शुरुआत बेहतर तरीके से की है। उसने अपने पहले तीन मैचों में से 2 में जीत हासिल की है। उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत मिली जबकि गुजरात टाइटन्स से उसे केवल एक रन से ही हार मिली।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनों टीमों के बीच अबतक हुए पिछले 31 के मुकाबलों में, दिल्ली ने 12 जीत दर्ज की हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 19 जीत हासिल की हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव , अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बाहर हो गये हैं। वहीं. केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है।

ऑरेंज कैप की सूची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं।उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉयल्स के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

थर्ड अंपायर के पास जाना चाहिए था फैसला, रोवमन पॉवेल ने दिग्वेश राठी के कैच पर उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच ईडन गार्डेन्स में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसे एलएसजी ने मुकुल चौधरी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर 3 विकेट से जीता। केकेआर की पारी के दौरान सलामी बल्लेबाज फिन एलन का कैच एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी ने पकड़ा था जिस पर विवाद हुआ था। मैच के बाद रोवमन पॉवेल ने कहा कि इसे तीसरे अंपायर को भेजा जाना चाहिए था।

रोवमैन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर्स से कहा, 'यह उनकी तरफ से एक बड़ी गलती थी, लेकिन हम इस पर गौर नहीं करेंगे और यह नहीं कहेंगे कि आज रात हमें दो पॉइंट्स का नुकसान हुआ, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपायरों को फैसला थर्ड अंपायर को भेजना चाहिए था।'

केकेआर की पारी का दूसरा ओवर प्रिंस यादव कर रहे थे। ओवर की चौथी गेंद प्रिंस ने बैक-ऑफ-ए-लेंथ डिलीवरी फेंकी, और फिन एलन ने उसे लाइन के पार मारा, लेकिन टॉप एज लग गया। बॉल थर्ड मैन पर खड़े दिग्वेश के पास गई। ऐसा लगा कि बॉल दूर तक जाएगी, लेकिन राठी ने खुद को बाउंड्री लाइन के किनारे पर संभाला और दोनों हाथों से कैच लेने के लिए अपनी बाईं ओर खड़े हो गए। राठी बाउंड्री लाइन के बहुत करीब थे, और अंपायर जो कुछ भी हुआ उससे खुश लग रहे थे। एलन को आउट दिया गया। फैसला थर्ड अंपायर को नहीं भेजा गया, और बाद में रिप्ले से पता चला कि राठी ने शायद कुशन पर पैर रख दिया था। हालांकि, रिप्ले से कुछ भी पक्का पता नहीं चल सका।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था।

टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज

हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है।

आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली ।अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा ।इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा ।आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें ।इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे ।राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है ।राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी ।उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे ।

राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था ।इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला ।उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े ।आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है ।मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा । ऐसे में एक टेस्ट खेलकर अपना करियर खतरे में नहीं डाला जा सकता ।

यूईएफए यूरोपा लीग- क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

ब्रागा ।यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ ।एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया ।मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया।

डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज हेडर को रोकते समय ।दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया ।बेटिस ने आक्रमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया ।हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया ।मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली ।

हार से निराश रहाणे बोले, मुकुल ने हमसे मैच छीन लिया

कोलकाता । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है ।केकेआर को इस सत्र में सभी तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया ।सुपरजायंट्स के खिलाफ उसे मैच की अंतिम गेंद पर हार मिली ।इस मैच में एक समय केकेआर काफी अच्छी स्थिति में थी पर मुकुल चौधरी ने अंतिम ओवरों में अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। हार को लेकर रहाणे ने कहा, 'इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल क्योंकि अंत तक हम मैच में बने हुए थे। मुकुल ने अंत में जबरदस्त शॉट खेलकर मैच हमसे छीन लिया ।ऐसे करीबी मैचों में ज्यादा कमियां नहीं निकाली जा सकतीं ।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग में शायद एक-दो गलतियां हुईं पर हमारे गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई ।हारने के बाद कमियां निकालना आसान होता है ।हमें लगा था कि इस पिच पर 180-185 का स्कोर अच्छा था क्योंकि बड़े शॉट खेलना आसान नहीं था। धीमी गेंदें रुक कर आ रही थीं इसलिए बल्लेबाजी करना कठिन था ।' रहाणे ने कहा, 'मुझे लगा कि 18 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे पर अंत के दो ओवरों में स्थिति खराब हो गयी क्योंकि मुकुल ने मैच पलट दिया। हमारी गेंदबाजी अच्छी थी पर मुकुल ने उससे भी अच्छी बल्लेबाजी की और उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये ।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी, आईपीएल खिताब का बचाव कर सकती है आरसीबी

फरीदाबाद (हरियाणा) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा ने पूरा भरोसा जताया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) अपना इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताब बचाने में सक्षम है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी सफल फ्रेंचाइजी से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ही सबसे जरूरी है। RCB ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2025 IPL के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना पहला IPL खिताब जीता था जिससे ट्रॉफी के लिए उनका 18 साल का इंतजार खत्म हो गया था।

चोपड़ा ने आगे कहा कि जो टीमें शुरुआत में ही लय पकड़ लेती हैं और अपनी फॉर्म बरकरार रखती हैं, वे आखिर तक जा सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस सीजन में कोई नया चैंपियन भी उभर सकता है, और RCB भी अपना खिताब बचा सकती है। बात करते हुए अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'हां, वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकते हैं। मुंबई ने ऐसा किया है, चेन्नई ने ऐसा किया है, RCB भी ऐसा कर सकती है। और फिर से, जो टीम लगातार अच्छा खेलेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचेगी। प्लेऑफ में पहुंचने वाली सभी टीमें वहीं से शुरुआत करती हैं, जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा था इसलिए वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकती हैं। कोई नया चैंपियन भी बन सकता है और RCB भी अपना IPL खिताब बचा सकती है।'

चोपड़ा का मानना है कि RCB इस सीजन में सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही है और मौजूदा चैंपियन होने के नाते अपनी मजबूत लय को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने न केवल वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले साल छोड़ा था बल्कि मौजूदा सीजन में वे और भी ज्यादा प्रभावशाली और संतुलित नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'RCB अच्छी लग रही है, वे सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही हैं क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले सीजन में छोड़ा था। असल में इस सीजन में वे और भी बेहतर लग रहे हैं।' RCB ने 2026 IPL के अपने दोनों शुरुआती मैच जीते हैं और अब वह पॉइंट्स टेबल में चार अंकों और +2.501 के शानदार नेट रन रेट (NRR) के साथ तीसरे स्थान पर है।

चोपड़ा को यह भी लगा कि पंजाब किंग्स (PBKS) भी जबरदस्त फॉर्म में है, पिछले सीजन में फाइनल तक पहुंचने की वजह से उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस अनुभव का फायदा उठाकर आगे कैसे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'पंजाब भी बहुत अच्छी दिख रही है। उन्होंने पिछले साल फाइनल भी खेला था, इसलिए उन्हें पता है कि उनका सफर कहां खत्म हुआ था और उन्हें दोबारा कहां से शुरुआत करनी है। उन्होंने शुरुआत भी अच्छी की है।' PBKS ने भी 2026 IPL सीजन की शुरुआत ज़ोरदार तरीके से की है। उन्होंने अपने तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। IPL पॉइंट्स टेबल में पंजाब 5 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है।

जोनाथन क्रिस्टी को हराकर आयुष शेट्टी ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में पहुंचे

निंगबो (चीन) ।भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली ।आज यहां टॉप-4 में जगह बनाने के साथ ही आयुष शेट्टी 2018 में एच.एस. प्रणय के बाद इस कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं ।यह 2023 में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स गोल्ड मेडल के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल भी होगा। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में इंडोनेशिया के ओलंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया ।पहला गेम बेहद कड़ा रहा, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया। पूर्व एशियाई चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी 11-10 की मामूली बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में गए। जोनाथन क्रिस्टी 18-15 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाते दिख रहे थे और उन्हें गेम पॉइंट भी मिल गया था, लेकिन आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक में ले जाकर पहला गेम जीत लिया ।दूसरा गेम भी उतना ही कड़ा रहा । आयुष शेट्टी 11-9 की मामूली बढ़त के साथ ब्रेक में गए, जिसके बाद उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली ।दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी, जिसमें आयुष शेट्टी ने जोनाथन क्रिस्टी के ख़िलाफ़ अपनी पहली जीत दर्ज की ।इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष शेट्टी ने पहले राउंड में दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन ली शी फ़ेंग को चौंका दिया था ।इसके बाद उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई थी ।सेमीफाइनल में, आयुष शेट्टी का मुक़ाबला थाईलैंड के पेरिस 2024 रजत पदक विजेता कुनलावुत विटिडसर्न और चीन की एशियाई खेलों की गोल्ड मेडल विजेता पुरुष टीम के सदस्य वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा ।

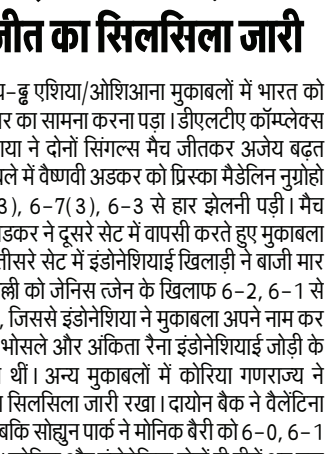

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली(एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे।

व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों।'

टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। 'टीम-फर्स्ट' की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।'

व्हाइट की नियुक्ति को भारत में जूनियर हॉकी को आधुनिक तकनीक और अनुशासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनके बैकग्राउंड में हॉकी ऑस्ट्रेलिया के लिए नेशनल जूनियर कोच के तौर पर काम करना और यूरोप में हाई-परफॉर्मेंस पाथवे की देखरेख करना शामिल है।

व्हाइट के कोचिंग करियर में बेल्जियम में हाल की सफलता और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछला अनुभव शामिल है। भारत आने से पहले, उन्होंने बेल्जियम अंडर-21 महिला टीम के कोच के तौर पर काम किया, और दिसंबर में 2025 जूनियर वर्ल्ड कप में उन्हें कांस्य पदक दिलाया था।

2021 और 2024 के बीच, वह बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने विश्व रैंकिंग में काफी सुधार किया और 12 वें से 3 पर आ गई। 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही।

अपने करियर की शुरुआत में, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रीय जूनियर कोच के पद पर थे, जहां टीम ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

बिली जीन किंग कप : इंडोनेशिया से हारा भारत, कोरिया की जीत का सिलसिला जारी

नई दिल्ली । बिली जीन किंग कप ग्रुप-द्ब एशिया/ओशिआना मुकाबलों में भारत को गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा ।डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने दोनों सिंगल्स मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर ली ।पहले सिंगल्स मुकाबले में वैष्णवी अडकर को प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हार झेलनी पड़ी। मैच काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली ।दूसरे सिंगल्स में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंडोनेशिया ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। खबर लिखे जाने तक रुतुजा भोसले और अंकिता रैना इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेल रही थीं। अन्य मुकाबलों में कोरिया गणराज्य ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। दायोन बैक ने वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी ।कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई हैं। वहीं थाईलैंड ने भी शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया को 3-0 से क्लीन स्वीप किया ।थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया, जबकि पाचारिन चीपचांदेज ने खोंगोरजुल अलदारखिशिग को समान स्कोर से मात दी ।

'धड़क' के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर

फिल्म धड़क की रिलीज से ठीक पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी का निधन हो गया था, जिसने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया। इस गहरे सदमे और फिल्म के बाद मिली आलोचनाओं ने उन्हें डिप्रेशन की ओर धकेल दिया था। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जाह्नवी ने अपने दिल की बात खुलकर रखी। उन्होंने बताया कि साल 2018 में ईशान खट्टर के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद भारी था। एक तरफ मां को खोने का दुख था, तो दूसरी ओर बाहर से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाएं, जिसने उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर दिया। जाह्नवी ने कहा कि भले ही आज लोग 'धड़क' को सफल फिल्म मानते हैं, लेकिन उनके लिए उस दौर की यादें काफी कड़वी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के बाद वह डिप्रेशन में चली गई थीं और उन्हें लगने लगा था कि लोग उनसे नफरत करते हैं। उनके मन में यह डर बैठ गया था कि उनका करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्हें हमेशा अपनी मां से हौसला और सराहना मिलती थी। मां के जाने के बाद उन्होंने वही उम्मीद दर्शकों से लगा ली, जो पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह चाहती थीं कि लोग उन्हें तुरंत स्वीकार कर लें, लेकिन ऐसा संभव नहीं था। उनका ध्यान सिर्फ नकारात्मक बातों पर केंद्रित हो गया था, जिसके कारण वह फिल्म की सफलता को भी महसूस नहीं कर पाईं। जाह्नवी ने आगे कहा कि उस समय 'धड़क' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी, लेकिन उन्हें इसका अहसास तक नहीं हुआ। उन्हें लगातार यही लगता रहा कि वह एक खराब कलाकार हैं और लोग उन्हें पसंद नहीं करते। यही नकारात्मक सोच धीरे-धीरे उनकी हकीकत बन गई थी। गौरतलब है कि शशांक खेतान के निर्देशन में बनी 'धड़क' मराठी फिल्म सैराट की आधिकारिक रीमेक थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था।

फिल्म नहीं, एक फोटो ने मचा दिया तहलका

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने पालतू डॉग सुख के साथ कुछ बेहद खास तस्वीरें साझा कर फैंस के बीच तहलका मचा दिया है। आमतौर पर दमदार एक्शन हीरो के रूप में दिखने वाले सलमान का यह सादगी और प्यार भरा अंदाज़ वायरल हो गया है। सलमान ने इन तस्वीरों को 3-55 मॉय सुख कैप्शन के साथ पोस्ट किया, जिसमें वे अपने डॉग के साथ सुकून भरे पल बिताते नजर आ रहे हैं। उनका यह प्राकृतिक और दिखावे से रहित रूप उनकी ऑन-स्क्रीन छवि से बिल्कुल अलग है, जिसे फैंस ने प्योर हैप्पीनेस बताया। इन तस्वीरों में कोई ग्लैमर या शूट नहीं है, बस सलमान की निजी जिंदगी की एक प्यारी झलक है, जिसने लाखों दिलों को छू लिया। सोशल मीडिया पर जहां ग्लैमरस तस्वीरें छाई रहती हैं, वहीं सलमान की ये सादगी भरी तस्वीरें अलग पहचान बना रही हैं। फैंस ने इन पर जमकर प्यार बरसाया है, यह साबित करते हुए कि सच्चे रिश्ते और छोटी खुशियां किसी भी फिल्म प्रमोशन से ज्यादा दिल छू लेने वाली होती हैं।

असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग: सारा

बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर-द रिवेंज की सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने कहा कि किसी भी फिल्म की असली ताकत सिर्फ पर्दे पर नजर आने वाले कलाकार नहीं होते है, बल्कि वे लोग होते हैं जो कैमरे के पीछे रहकर पसीना बहाते हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में उन सभी क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताया, जिनकी मेहनत से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन पाई। सारा अर्जुन ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तभी उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून नजर आ गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान यह विश्वास और मजबूत होता गया। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई और उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस सपने को साकार करने में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक पूरी टीम की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अपने पोस्ट को 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित किया, जिनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। एक्ट्रेस ने सबसे पहले आदित्य धर और उनकी डायरेक्शन टीम का धन्यवाद किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट का कप्तान बताया। साथ ही प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की पूरी टीम की सराहना की, जिन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया। सारा ने फिल्म की तकनीकी टीम की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को जीवंत किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने किरदारों के लिए बिल्कुल सही चेहरों का चयन किया। कॉस्ट्यूम डिजाइनर स्मृति चौहान और मेकअप डिजाइनर प्रीति शील के काम की तारीफ करते हुए सारा ने कहा कि उन्होंने कपड़ों और लुक के जरिए कहानी को और गहराई दी। सारा ने लिखा कि भले ही एक्टर्स को पोस्टर पर जगह मिलती है, लेकिन असल में सिनेमा की रीढ़ यही टीम होती है। इसके अलावा सारा ने म्यूजिक टीम, एडिटर शिवकुमार पणिक्कर, वीएफएक्स टीम और ओजस गौतम के योगदान को भी सराहा।

लीजा रे को आफरीन-आफरीन गाने से मिली थी पहचान

कनाडा की खूबसूरत एक्ट्रेस और मॉडल लीजा रहे ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। घातक कैंसर जैसी बीमारी को हराया और सरोगेसी के जरिए दो प्यारी जुड़वा बेटियों की मां बनीं। लीजा रे की कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि हौसले, संघर्ष और जिंदगी से कभी हार न मानने की मिसाल भी है। लीजा रे का जन्म 4 अप्रैल 1972 को कनाडा के टोरंटो में हुआ था। मात्र 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। साल 1996 में नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने आफरीन-आफरीन में उन्होंने पहली बार स्क्रीन पर धमाल मचाया। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म नेताजी से अभिनय की शुरुआत की। साल 2001 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ जब उन्होंने आफताब शिवदासानी के साथ हिंदी फिल्म कसूर से बॉलीवुड एंट्री की। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों को खूब सराहा गया। गानों में भी वे काफी प्रभावशाली नजर आईं। इसके बाद साल 2004 में दीपा मेहता की फिल्म वॉटर आई, जो ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। इस फिल्म ने लीजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग स्किल्स को नई ऊंचाई दी। लीजा रे की जिंदगी आसान नहीं रही। साल 2009 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा नामक ब्लड कैंसर का पता चला। यह बीमारी बहुत खतरनाक होती है और ज्यादातर लोग इससे हार मान लेते हैं। लेकिन लीजा ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इलाज कराया और साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर इस बीमारी पर जीत हासिल की। कैंसर से उबरने के बाद भी वे दवाइयों पर निर्भर रहीं, लेकिन अपनी जिंदगी को नई दिशा देने में लगी रहीं। कैंसर पर काबू पाने के बाद लीजा ने बॉलीवुड में वापसी की। साल 2015-2016 में रिलीज हुई फिल्म इश्क फॉरएवर से उन्होंने फिर से दर्शकों का ध्यान खींचा।

इसके अलावा उन्होंने वीरप्पन जैसी फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी मेहनत और सकारात्मक सोच की वजह से वह आज भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। निजी जिंदगी में भी लीजा ने कई चुनौतियों का सामना किया। कैंसर के इलाज की वजह से उनकी प्राकृतिक मातृत्व की संभावना प्रभावित हो गई थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2012 में उन्होंने जेसन देहनी से शादी की। इसके बाद दंपति ने सरोगेसी का रास्ता चुना। साल 2018 में जॉर्जिया के टिबिलिसी में सरोगेसी के जरिए उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं, जिनका नाम उन्होंने सूफी और सोलेल रखा। लीजा ने खुद इंस्टाग्राम पर इस खुशी को शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि मां बनने की खुशी शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

टच बडी में नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला : जोनिता गांधी

डकैत अ लव स्टोरी के गाने के बारे में प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने खुलकर बात की है। पवन सिंह के साथ गाए गए नए गाने 'टच बडी' को लेकर जोनिता का मानना है कि इस गाने के जरिए कलाकार के तौर पर एक नए पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि यह गाना उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था, जिसने उन्हें खास तौर पर आकर्षित किया।

जोनिता गांधी इस समय अपनी कलात्मक यात्रा के एक नए दौर में हैं। वे अब सिर्फ आवाज देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि स्क्रीन पर भी पूरी तरह छा जाना चाहती हैं। 'टच बडी' में उन्होंने न सिर्फ गाया है, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ डांस परफॉर्मेंस भी किया है। जोनिता ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे डांस करना बहुत पसंद है, इसलिए इस गाने की ओर मैं खिंची चली गई। मैंने इसे एक किरदार निभाने के रूप में अपनाया। यह मेरी अपनी असलियत का विस्तार नहीं था, बल्कि एक कलाकार के रूप में मुझे एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कलाकार के तौर पर मैं खुद के और भी कई पहलुओं को एक्सप्लोर कर रही हूं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैंने तो अभी बस शुरुआत की है। अपना प्यार और साथ बनाए रखिएगा।' गाने में जोनिता एक स्टाइलिश, चंचल और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका 'ग्रूव', एटीट्यूड और सहजता इस ट्रैक का मुख्य आकर्षण है। गाने का तेलुगु वर्जन भी रिलीज हो चुका है, जिसमें उनके साथ राम मिरियाला नजर आ रहे हैं। दोनों भाषाओं के कलाकारों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। 'टच बडी' गाना फिल्म 'डकैत- अ लव स्टोरी' का गाना है। फिल्म में आदिवि शेष, अनुराग कश्यप और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। यह एक बाइलिंगुअल प्रोजेक्ट है, जिसे हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में शूट किया गया है। कहानी दो पुराने प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दोबारा मिलकर कई चोरियां करते हैं।

बच्चों की मासूमियत ने दिल को छू लिया अमिताभ के, हुए भावुक

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अपने घर 'जलसा' के बाहर हर रविवार फैंस से मुलाकात करने की परंपरा निभाते आ रहे हैं। ऐसी ही एक मुलाकात अमिताभ बच्चन के लिए बेहद भावुक पल लेकर आई, जिसका जिक्र उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में किया है। उन्होंने इस दौरान कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें छोटे-छोटे बच्चे नजर आ रहे हैं, जिनकी मासूमियत ने अभिनेता का दिल छू लिया। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा कि जब वह अपने फैंस से मिले तो उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि समझ नहीं आता कि उन्होंने ऐसा क्या किया है कि इतने वर्षों बाद भी लोगों का इतना स्नेह और सम्मान उन्हें लगातार मिलता रहता है। उन्होंने खास तौर पर बच्चों की मासूमियत का जिक्र करते हुए लिखा कि इन नन्हे चेहरों को शायद यह भी नहीं पता कि वे यहां क्यों आए हैं, लेकिन उनके चेहरे की मुस्कान दिल को गहराई से छू जाती है। उन्होंने आगे चिंता जताई कि जैसे-जैसे ये बच्चे बड़े होंगे, जीवन की सच्चाइयों से उनका सामना होगा, जो आसान नहीं होगा। अभिनेता ने लिखा कि यह सोचकर दुख होता है कि आने वाले समय में दुनिया कैसी होगी और हम अगली पीढ़ी के लिए कैसा समाज छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर पाएंगे या नहीं। इसी भावुक पोस्ट के अंत में अमिताभ बच्चन ने अपने एक करीबी रिश्तेदार के निधन की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि इस दुखद खबर ने उनके मन को और अधिक व्यथित कर दिया है और अब केवल शोक ही व्यक्त किया जा सकता है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले उन्होंने अपने ब्लॉग में एक 'आलसी' दिन का जिक्र किया था। उन्होंने लिखा था कि बिना किसी खास वजह के दिनभर काम न करने से उन्हें असहज महसूस होता है। नियमित दिनचर्या में बदलाव से उनकी आदतें भी प्रभावित होती हैं।

भूत बंगला डर के साथ डबल डोज कॉमेडी

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। चार्ट-बस्टर गानों और टीज़र के बाद आया यह ट्रेलर, डर और कॉमेडी का एक शानदार डबल डोज पेश करता है, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन का वादा कर रहा है। ट्रेलर एक ठोस और दिलचस्प कहानी दिखाता है जहाँ अक्षय कुमार अपनी उसी पुरानी फॉर्म में वापस आ गए हैं जिसमें वो सबसे माहिर हैं। अक्षय, परेश रावल और राजपाल यादव की गोल्डन तिकड़ी के साथ असरानी के कॉमेडी के तड़के ने सबका दिल जीत लिया है। ट्रेलर साबित करता है कि ऐसी कॉमेडी केवल हॉरर-कॉमेडी जॉनर के दिग्गज ही पेश कर सकते हैं, और दर्शक इस अंदाज़ में अक्षय कुमार को काफी मिस कर रहे थे। भूत बंगला 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, क्योंकि यह 14 साल बाद बॉलीवुड की आइकॉनिक एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन को वापस ला रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर जैसे कलाकार नजर आएंगे।

पुलिस का किरदार निभाना मेरे लिए स्वाभाविक : कविता कौशिक

ज्वालाबाद शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित वेब सीरीज 'कप्तान' में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी को प्रमुखता से दिखाया गया है। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का किरदार निभाया है, जो एक सख्त और आत्मविश्वासी महिला पुलिस अधिकारी है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें इस भूमिका में ढलने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि उनका पारिवारिक माहौल ही पुलिस से जुड़ा रहा है, क्योंकि उनके पिता पुलिस अधिकारी थे। बचपन से उसी वातावरण में पली-बढ़ी होने के कारण यह किरदार उनके लिए बेहद सहज और स्वाभाविक बन गया। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे उनका लोकप्रिय किरदार चंद्रमुखी चौटाला हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस अधिकारी की झलक उनके अभिनय में अपने आप दिखाई देती है।

अभिनेत्री ने सीरीज की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट से जुड़ना इसलिए आसान लगा क्योंकि इसके पीछे एक मजबूत टीम थी। उन्होंने निर्देशक, निर्माताओं और प्लेटफॉर्म की तारीफ करते हुए कहा कि जब सभी चीजें सही लगती हैं, तो किसी प्रोजेक्ट को हां कहना मुश्किल नहीं होता। साथ ही उन्होंने अपने सह-कलाकारों की मेहनत और अनुशासन की भी खुलकर प्रशंसा की। शूटिंग के अनुभव पर बात करते हुए कविता ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर किसी सीन को करने में ज्यादा कठिनाई नहीं हुई, लेकिन अन्य कलाकारों ने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शानदार एक्शन सीन दिए। उनका समर्पण और फिटनेस देखकर वह काफी प्रभावित हुईं और उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी भूमिका अन्य कलाकारों की तुलना में थोड़ी सहज थी। महिला पुलिस अधिकारियों को कम महत्व दिए जाने के सवाल पर अभिनेत्री ने बेबाकी से कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। उनका मानना है कि उन्हें जो भी अवसर मिलता है, वह उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं और स्क्रीन टाइम के बजाय अपने काम के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इस सीरीज में साकिब सलीम के साथ सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । सैनी समाज द्वारा 11 अप्रैल शनिवार को घूम चक्कर के पास सैनी मंदिर में प्रात: 10:00 बजे महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी। सैनी मंदिर समिति के संगठन महामंत्री मंत्री बनवारी लाल सैनी ने बताया कि ज्योतिबा फुले की 199 वी जयंती पर सर्व समाज के प्रतिनिधि व जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इस अवसर पर सैनी मंदिर समिति के अध्यक्ष बीरबल सैनी, सैनी समाज संस्था के अध्यक्ष केदारनाथ सैनी सहित आदि पदाधिकारी तैयारी में जुटे हुए है।

दबंगों की धमकियों से डरा दलित परिवार पलायन को मजबूर, सुरक्षा व गिरफ्तारी की मांग तेज

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना

टोहाना में वाल्मीकि समाज के एक मजदूर परिवार पर हमले और उसके बाद लगातार मिल रही धमकियों के चलते पीड़ित परिवार को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है। इस घटना को लेकर दलित समाज और विभिन्न संगठनों में भारी रोष व्याप्त है। जानकारी के अनुसार करीब एक माह पूर्व पड़ोसी परिवार से कहासुनी के बाद एक दर्जन से अधिक आरोपियों ने पीड़ित परिवार के घर में घुसकर तलवार से हमला कर दिया था। आरोप है कि घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने राजनीतिक दबाव के चलते कई दिनों तक मामला दर्ज नहीं किया। बाद में दलित संगठनों के विरोध के बाद एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और लगातार समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं। समझौता न करने पर जानमाल की धमकी दी जा रही है, जिससे परिवार भयभीत होकर पलायन को मजबूर हो गया। आल हरियाणा अनुसूचित जाति समाज संगठन की जिला महिला प्रधान कमला राणा और भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने इस मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद निकिता खट्टर से हस्तक्षेप की मांग की है।

महिला जिला प्रधान कमला राणा

एडवोकेट विजय रंगा, बीकानेर

उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को तुरंत पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए और मुकदमा नंबर 80/2026 में नामजद सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है, जिसके चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई और पीड़ित परिवार को सुरक्षा नहीं दी गई, तो फतेहाबाद जिले के सभी दलित समाज संगठन धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस पूरे घटनाक्रम ने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं।

गो सम्मान आहावन अभियान के तहत तहसील स्तरीय मीटिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । गो सम्मान आहावन अभियान के तहत बाबा खेतानाथ आश्रम जोशीहोडा में संत सानिध्य में तहसील स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि 27 अप्रैल 2026 को गौ माता को राष्ट्र माता, राष्ट्र देव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्र आधार का सम्मानित पद प्रदान करने, गौ सेवा हेतु केंद्रीय कानून बनाने तथा भारतवर्ष में गौ हत्या को पूरी तरह समाप्त करने की मांग को लेकर देशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। इस तहसील स्तरीय मीटिंग में महंत शंकर नाथ, महाराज फूलनाथ, करमनाथ, पवन बाबा कुतीना गौशाला, शिव स्वरूप गौशाला नाघोडी सिलारपुर के गौशाला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, नित्यानंद मास्टर, दिलीपमुनीम, बलबीर सिंह, वेद प्रकाश सैनी, हरवीरसिंह, वीरेंद्र, सूबेदार जसवंत, श्याम गौशाला तलवाना से प्रदीप कुमार, शिवचरण, अमर सिंह, शयोलाल गौशाला नंगली बलाही से महेंद्रसिंह, रामवीर, होशियार, कंवरपाल, बाबूलाल, कुतीना गौशाला से पवन बाबा, विक्रम, सतीश मुद्गल, बाबा भोमिया नंदी शाला उपचार केंद्र माढण की टीम से भीम राणा, पंकज स्वामी, अजीत, ईश्वर, प्रशांत, संजय यादव एवं क्षेत्र से अनेकों गो भक्त मौजूद रहे। मीटिंग में 27 अप्रैल 2026 को प्रार्थना पत्र पेश करने के लिए योजना बनाई गई। कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10:00 बजे तालाब परिसर रामलीला मैदान नीमराना से शांतिपूर्वक रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय तक पहुंचकर प्रार्थना पत्र सौंपा जाएगा। सभी लोगों से आह्वान किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनावे।

रैफल्स विश्वविद्यालय में मधुमेह प्रबंधन पर संगोष्ठी आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना के स्कूल ऑफ फार्मेसी द्वारा 10 अप्रैल 2026 को 'मधुमेह प्रबंधन में आधुनिक रुझान' विषय पर एक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मधुमेह जैसी वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके आधुनिक उपचार तरीकों पर प्रकाश डालना था। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. पुष्पेश कुमार मिश्रा रहे, जिन्होंने मधुमेह प्रबंधन के बदलते परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। अपने संबोधन में उन्होंने बेहतर रोगी परिणामों के लिए शोध और नैदानिक पद्धतियों के समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी का विषय 'बेंच से बेडसाइड तक: मधुमेह प्रबंधन के एकीकृत दृष्टिकोण' रहा। इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। चर्चा के दौरान पारंपरिक इंसुलिन थेरेपी से उन्नत दवा वितरण प्रणालियों की ओर हो रहे परिवर्तन तथा रोगी परामर्श और दवा अनुपालन सुनिश्चित करने में फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर डीन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह आयोजन विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध उन्मुख दृष्टिकोण एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हंसराज बाबा दोबारा बने एनसीआर प्रेस क्लब के अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । एनसीआर प्रेस क्लब की महत्वपूर्ण बैठक नीमराना हाईवे पर दूघेड़ा के पास स्थित एक निजी होटल में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार होशियार यादव के नेतृत्व में हुआ, जिसमें कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संगठन को नए स्वरूप में मजबूत करने के निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व अध्यक्ष हंसराज बाबा को पुन: अध्यक्ष चुना गया। साथ ही संगठन का दायरा बढ़ाते हुए इसे अब कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल- तिजारा और अलवर जिले तक विस्तारित किया गया है। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में सुरेंद्र सिरोलिया (भिवाड़ी), धर्मसिंह यादव (कोटपूतली) और अभिषेक वशिष्ठ (खैरथल)को जिम्मेदारी दी गई। वहीं कोषाध्यक्ष आशीष गोयल (कोटपूतली), सचिव सुनील मेघवाल (नीमराना) और मीडिया प्रभारी अनूप यादव बनाए गए। सदस्य के रूप में वेद प्रकाश कौशिक (कोटकासिम), हरिओम सिंह चौहान, अनिल यादव और रमेश चंद्र को शामिल किया गया। उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिरोलिया ने बताया कि बैठक में पत्रकार हितों, संगठन को मजबूत बनाने और आगामी शपथ ग्रहण समारोह को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर नंदलाल सैनी, सुधीर शर्मा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के पत्रकार उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को मजबूती देने और पत्रकारों की एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

नेकी का लिबास ओढ़कर भरोसे की डकैती

40 लाख की ठगी में रसीदपुर के दो सगे भाई गिरफ्तार, चार दिन की पुलिस रिमांड पर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । भरोसे की नींव पर खड़े रिश्तों को जब लालच की दीमक लग जाती है, तो अंजाम सिर्फ टूटन और पछतावे के सिवा कुछ नहीं रहता। कुछ ऐसा ही दर्दनाक मामला थाना क्षेत्र के रसीदपुर गांव से सामने आया है, जहां सामाजिक सरोकारों में जीवन खपाने वाले 87 वर्षीय सेवानिवृत्त बुजुर्ग के साथ विश्वासघात कर दो सगे भाइयों ने करीब 40 लाख रुपए की ठगी कर डाली। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया, जहां से न्यायालय ने उन्हें चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार रसीदपुर निवासी बुजुर्ग सतीश कौशिक, जो वर्तमान में जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में रह रहे हैं, लंबे समय से अपने पैतृक गांव में जनहित के कार्यों को लेकर सक्रिय रहे हैं। 'जहां चाह, वहां राह' की सोच लेकर वे गांव में शिक्षा और सेवा के नए आयाम स्थापित करना चाहते थे। इसी दौरान गांव में विद्यालय निर्माण के समय उनकी मुलाकात आरोपी सगे भाइयों अजेंद्र रावत और जितेंद्र रावत से हुई। आरोपियों ने पहले सहयोग का हाथ बढ़ाकर भरोसे की डोर मजबूत की और फिर उसी विश्वास को अपने स्वार्थ का जरिया बना लिया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने धीरे-धीरे बुजुर्ग को अपने प्रभाव में लेकर रसीदपुर, महवा, जयपुर, आगरा और आमेर जैसे स्थानों पर मकान, दुकान और प्लॉट में निवेश के नाम पर रकम ऐंठनी शुरू कर दी। 'मीठी बातों में जहर घोलना' कहावत को चरितार्थ करते हुए दोनों भाइयों ने खातों और नकद के जरिए करीब 40 लाख रुपए हड़प लिए। जब दो वर्ष बाद बुजुर्ग ने अपने सामाजिक प्रकल्पों–जैसे गांव में औषधालय, स्वास्थ्य केंद्र, निःशुल्क भोजनालय और लाइब्रेरी–के लिए निवेश की रकम वापस मांगी, तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी और अंततः संपर्क तक तोड़ दिया। पीड़ित के बेटे योगेश द्वारा थाना पुलिस में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और तथ्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से गहन पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और ठगी की राशि के इस्तेमाल का खुलासा करने में जुटी है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि समाज सेवा के नाम पर भरोसा जीतकर ठगी करने वाले ऐसे तत्व किस तरह मानवीय मूल्यों को तार-तार कर रहे हैं। 'जिसे समझा था हमसफर, वही लूट कर चला गया '–यह दर्द आज उस बुजुर्ग की आंखों में साफ झलकता है, जिसने अपने गांव के भविष्य के लिए देखे सपनों को इन ठगों के हाथों बिखरते देखा।

चिड़ावा कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण एवं फूड स्टॉल प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित स्थानीय चिड़ावा कॉलेज में शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. ऋचा कुलश्रेष्ठ ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान एन.एस.एस. और कैरियर गाइडेंस ब्यूरो जैसे विभागों द्वारा आयोजित निबंध, वाद-विवाद, क्विज और ग्रुप डिस्कशन की सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। व्याख्याता निधि शर्मा के कुशल संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में एन.एस.एस. प्रभारी अभिषेक सैनी और इतिका जांगिड़ ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह के मुख्य आकर्षण में शामिल फूड स्टॉल प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शानदार पाक कला का प्रदर्शन किया, जिसमें सना, सानिया और नंदिनी के ग्रुप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अमीषा व अनिशा का ग्रुप दूसरे और खुशबू, सचिन व प्रवीण का ग्रुप तीसरे स्थान पर रहा। प्राचार्य डॉ. कुलश्रेष्ठ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बहुमुखी व्यक्तित्व के विकास के लिए हर गतिविधि में भाग लेने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सरिता सैनी, कुलदीप भगत, जितेंद्र सिंह शेखावत, नवनीत शर्मा सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

श्री श्री 1008 श्री बाबा मैड़ा वाला का दो दिवसीय विशाल मेला, देशी घी का भण्डारा व रागनी कम्पटीशन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मुंडावर उपखंड क्षेत्र के गांव जालावास में 14, अप्रैल 2026 को श्री श्री 1008 श्री बाबा मैड़ा वाला के दो दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला जालावास-मनेठी के समस्त ग्रामवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन होगा, जिसमें देशी घी का भण्डारा और रागनी प्रतियोगिता प्रमुख आकर्षण होंगे। इस भव्य आयोजन में आमंत्रित कलाकार जयवीर भाटी एण्ड पार्टी द्वारा प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। मेले का आयोजन बाबा मैड़ा वाला मंदिर विकास कमेटी द्वारा किया जा रहा है, जिसके निवेदक महन्त घनश्याम यति महाराज हैं। यह जानकारी महंत घनश्याम यति महाराज वी बाबा मैड़ा वाला मंदिर विकास कमेटी द्वारा दी गई। मेले में जयवीर भाटी, सुरेन्द्र भाटी, नरेन्द्र नागर, मन्नू तंवर और अनु चौधरी जैसे प्रमुख कलाकार भाग लेंगे। इस मेले में देशी घी का भण्डारा और रागनी कम्पटीशन आकर्षण का केंद्र होंगे, जो सभी आगंतुकों के लिए एक अनमोल अनुभव होगा।

काजड़ा नवोदय विद्यालय की शिक्षिका पर धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप, ग्रामीणों ने किया भारी हंगामा

भीम प्रज्ञा न्यूज.काजड़ा।

जिले के काजड़ा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय की एक शिक्षिका द्वारा ईसाई धर्म के प्रचार और हिंदू देवी-देवताओं पर अपमानजनक टिप्पणी करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को स्कूल के मुख्य द्वार पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए घेराव किया।

ग्रामीणों का गंभीर आरोप है कि शिक्षिका पिछले डेढ़ महीने से गांव की महिलाओं को आर्थिक मदद का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसा रही थी। आरोप है कि शिक्षिका ने करीब 20 घरों में जाकर हिंदू धर्म के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया और दावा किया कि ईसाई धर्म अपनाने से सभी बीमारियां व कष्ट दूर हो जाएंगे। मामले की जानकारी फैलते ही गांव में तनाव व्याप्त हो गया और बड़ी संख्या में लोग स्कूल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित कर आरोपी शिक्षिका के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मौके पर पुलिस प्रशासन के पहुंचने की संभावना है, ताकि स्थिति को नियंत्रित कर जांच शुरू की जा सके।

बाबा बालक नाथ महाराज के सानिध्य में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । पेहल क्षेत्र के अनंत श्री गोरक्षनाथ आश्रम में बाबा बालक नाथ महाराज के सानिध्य में मेला एवं भंडारा पर प्रथम विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 10 अप्रैल 2026, शुक्रवार को प्रभाती नाथ आश्रम, पेहल में आयोजित किया गया। आयोजकों के अनुसार रक्तदान शिविर का समय सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया था। इस दौरान 61 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र एवं डोनर कार्ड देकर बाबा प्रभाती नाथ महाराज की प्रतिमा स्प्रेम भेट की गई। कार्यक्रम में टीम आशीर्वाद ब्लड बैंक, कोटपूतली का सहयोग रहा। मेले के प्रथम दिवस को मेले और भंडारे में बड़ी संख्या में रक्त दान व मेले में लोगो का आना जाना लगा रहा। आयोजक समस्त ग्रामवासी पेहल, व बाहर से आये श्रद्धालु एवं भक्तगण इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने की पहल कर रहे थे। मंदिर के महंत बाबा बालक नाथ महाराज ने बताया कि रक्तदान न केवल एक महान मानव सेवा है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक भी है।

डूमोली खुर्द में बाबा सिंगिया वाले बालाजी महाराज का वार्षिक मेला धूमधाम से आयोजित, कुश्ती मुकाबले रहे आकर्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.डूमोली खुर्द।

गांव डूमोली खुर्द में बाबा सिंगिया वाले बालाजी महाराज का वार्षिक मेला शुक्रवार को बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। मंदिर प्रांगण में आयोजित इस मेले में गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। मेले में महिलाओं की भी अच्छी भागीदारी रही और पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल बना रहा। मेले का मुख्य आकर्षण कुश्ती प्रतियोगिता रही, जिसमें हरियाणा, भिवानी और पंजाब सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहलवानों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 21 हजार रुपये की मुख्य कुश्ती सचिन जमालपुर और रेशम बागोत के बीच हुई, जो करीब 15 मिनट तक चली और अंत में दोनों पहलवान बराबरी पर रहे। कुश्ती मुकाबलों में पुष्कर पहलवान ने रेफरी की भूमिका निभाई।एडवोकेट सत्यवीर दोराता ने बताया कि यह मेला क्षेत्र की आस्था और परंपरा का प्रतीक है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस अवसर पर प्रमोद शर्मा, महावीर (पूर्व उप प्रधान), दाताराम, सुंडाराम, कृष्ण गुर्जर, विष्णु शर्मा, उदयभान शर्मा, राजवीर, सुरेंद्र ठेकेदार, मनोज दोराता सहित गांव के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहें।

'ओटो पे' और सब्सक्रिप्शन फ्रॉड से रहें सतर्क: एसपी श्रीमती निकिता खट्टर '

अनजान ऐप या वेबसाइट पर ऑटो-डेबिट की अनुमति न दें
बैंक/यूपीआई में सक्रिय ओटो पे मेनेडेट नियमित रूप से चेक करें

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा आमजन को ओटो पे सब्सक्रिप्शन और ऑटो-डेबिट से जुड़े साइबर फ्रॉड को लेकर एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस*ने जिला वासियों से अपील की है कि वे मोबाइल ऐप्स, वेबसाइट्स और ऑनलाइन सेवाओं पर ओटो पे की सुविधा का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतें। पुलिस अधीक्षक निकिता ने बताया कि हाल के दिनों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें साइबर ठग लोगों को फर्जी ऐप या वेबसाइट के माध्यम से सब्सक्रिप्शन दिलवाकर उनके बैंक खाते या यूपीआई से ऑटोमैटिक पैसे कटवा लेते हैं। कई बार यूजर्स अनजाने में ओटोपी डालकर या 'अलाऊ ओटो पे डेप्ट' पर क्लिक करके खुद ही ठगों को अनुमति दे देते हैं। इसके बाद हर महीने या तय समय पर उनके खाते से पैसे कटते रहते है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी ऐप या वेबसाइट को ओटो पे की अनुमति देने से पहले उसकी विश्वसनीयता जरूर जांचें। केवल आधिकारिक और भरोसेमंद प्लेटफॉर्म पर ही ओटो पे सुविधा सक्रिय करें। किसी भी अनजान लिंक, ऑफर या कॉल के झांसे में आकर ओटो डेप्ट की अनुमति न दें। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि नागरिक समय-समय पर अपने बैंक खाते, यूटीआई ऐपऔर नेट बैंकिंग में जाकर सक्रियता की जांच करें और अनजान या संदिग्ध मेनेडेट को तुरंत बंद करें।

फतेहाबाद सीआईए की बड़ी कार्रवाई : अफीम व डोडा पोस्त सहित एक आरोपी काबू

कंबाइन मशीन में छिपाकर लाया जा रहा था नशीला पदार्थ, भारी मात्रा में बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए फतेहाबाद पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अफीम व डोडा पोस्त बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं अपराध जांच के दौरान नया बस अड्डा क्षेत्र में मौजूद थी। गुप्त सूचना के आधार पर हाईवे बाईपास पर नाकाबंदी कर एक संदिग्ध कंबाइन मशीन को रुकवाया गया। कंबाइन चालक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे टीम ने तत्परता से काबू कर लिया। आरोपी की पहचान सुखविंद्र सिंह पुत्र गुरनाम सिंह निवासी गांव फुलेड़ा, जिला संगरूर (पंजाब) के रूप में हुई। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में कंबाइन मशीन की नियमानुसार तलाशी लेने पर केबिन से 1 किलो 18 ग्राम अफीम तथा पीछे रखे तीन कट्टों से कुल 109.58 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया। बरामद नशीले पदार्थ को सील कर कब्जे में ले लिया गया है। इसके अलावा कंबाइन मशीन तथा एक मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने नशीला पदार्थ मध्य प्रदेश से खरीदकर लाने की बात स्वीकार की। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में अभियोग संख्या 144 दिनांक 09.04.2026 के तहत धारा 15(ष्ट), 18, 61, 85 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। मामले की गहनता से जांच जारी है तथा इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com